MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । गुरुवार, 27 अगस्त, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-236

मौत का सैलाब!

नेपाल में भारी तबाही, सैकडों मौतें, 500 लापता

काठमांडू/नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। तिब्बत से आए भीषण सैलाब ने नेपाल में भारी तबाही मचा दी है। भोटेकोशी नदी में अचानक आए भीषण बाढ़ के पानी ने घरों, दुकानों, पुलों और बिजली परियोजनाओं को अपनी चपेट में ले लिया। इस प्राकृतिक आपदा में अब तक 98 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है, जबकि करीब 500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए यात्रियों को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, पानी का बहाव इतना तेज था कि करीब 30 सेकेंड में दो बड़े बाजारों का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया। लोग रोजमर्रा के काम में जुटे थे, लेकिन अचानक आए सैकड़ों फीट ऊंचे पानी के सैलाब ने उन्हें संभलने तक का मौका नहीं दिया। देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सैलाब में घर और दुकानें बह गईं, गाड़ियां डूब गईं और कई इमारतें मलबे के साथ बहती नजर आईं। भोटेकोशी नदी के रास्ते में आने वाला लगभग हर ढांचा इस सैलाब की चपेट में आया।

रिपोर्टों के मुताबिक, तीन पुलिस चौकियों, कई पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। सड़कों और दूसरे जरूरी बुनियादी ढांचे का भी बड़ा हिस्सा तबाह हुआ है। उपग्रह तस्वीरों में भी नदी के रास्ते में आने वाली इमारतों और सड़कों के बड़े हिस्से के मिटने के संकेत मिले है।

नेपाल में इस आपदा से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बुधवार रात तक अलग-अलग रिपोर्टों में 98 से ज्यादा मौतों की जानकारी सामने आई है, जबकि करीब 500 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव एजेंसियां प्रभावित इलाकों में लोगों की तलाश कर रही हैं।

लापता लोगों में नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल के जवान भी शामिल हैं। शुरुआती रिपोर्टों में 50 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों के लापता होने की बात सामने आई थी। रसुवा के उत्तरी इलाके में सीमा चौकी पर तैनात नेपाल सशस्त्र पुलिस बल के चार जवान भी बाढ़ के बाद से लापता बताए गए हैं। नेपाल पर्यटन बोर्ड की शुरुआती सूची के मुताबिक, 384 यात्री लापता हैं। इनमें 291 विदेशी नागरिक और 93 नेपाली नागरिक शामिल हैं। विदेशी नागरिकों में 105 भारतीय हैं और 37 प्रवासी भारतीय भी लापता बताए गए हैं। इनमें बड़ी संख्या कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले लोगों की है।

कैसे आया इतना खतरनाक सैलाब?

नेपाल में तबाही मचाने वाले इस अचानक आए सैलाब की वजह को लेकर जांच चल रही है। नेपाल के अधिकारियों और वैज्ञानिकों के शुरुआती आकलन के मुताबिक, तिब्बत-नेपाल सीमा के पास आए 4.4 तीव्रता के भूकंप ने पहाड़ी इलाके में बर्फ और चट्टानों के बड़े हिस्से को अस्थिर किया हो सकता है। इसके बाद बर्फ और चट्टानों का भारी मलबा खिसकने से नदी का रास्ता अस्थायी रूप से बंद हो गया।

इसके पीछे हिमनद से जुड़ी घटना और अचानक पानी जमा होने की संभावना की भी जांच की जा रही है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, बर्फ, चट्टानों और मलबे से नदी का रास्ता रुकने पर पानी जमा होता गया। जब यह प्राकृतिक अवरोध टूटा तो पानी, कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थरों का भारी सैलाब बेहद तेजी से नीचे की ओर आया।अभी यह पूरी तरह स्थापित नहीं हुआ है कि भूकंप ही इस घटना का सीधा कारण था। वजह जो भी रही हो, लेकिन शांत दिख रही नदी अचानक बेहद खतरनाक बन गई। लोगों के पास सुरक्षित जगह पहुंचने के लिए बहुत कम समय था और जो भी इसके रास्ते में आया, उसका वजूद मिटता चला गया।

कई कैलाश यात्री भी बाढ़ की चपेट में आए

इस तबाही का सबसे दर्दनाक पहलू कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गए यात्रियों से जुड़ा है। जिस समय सैलाब तिब्बत से नेपाल की ओर आया, उस समय 77 कैलाश यात्री तिब्बत-नेपाल आव्रजन केंद्र पर मौजूद थे। सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने बताया है कि उनके कैलाश यात्रा समूह के लोग वापस लौटते समय ग्यिरोंग के आव्रजन कार्यालय में थे। इसी दौरान अचानक बाढ़ आई। ▶8 पर

भूकंप, ग्लेशियर एवलांच!

वैज्ञानिकों ने बताया तबाही का संभावित कारण

26 अगस्त 2026 को सुबह 8:22 बजे गोसाईकुंड से करीब 47 किलोमीटर उत्तर में तिब्बती क्षेत्र में 4.4 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। यह इलाका गाइरोंग काउंटी में स्थित है। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, भूकंप के बाद दो ग्लेशियर एवलांच यानी हिमस्खलन जैसी घटनाएं हुईं। इसके बाद जब पानी का दबाव बढ़ा तो त्रिशूली और भोटेकोशी नदियों में अचानक बाढ़ आ गई। सुबह करीब 9 बजे नेपाल के रसुवा जिले, तिमुरे, स्याफ्रुबेसी और आसपास के इलाकों में भारी तबाही मची। घर, पुल, सड़कें और जलविद्युत परियोजनाएं प्रभावित हुईं। अब वैज्ञानिक इस पूरी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

काठमांडू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रिजन भक्त कायास्था ने बताया कि आइस एवलांच यानी बर्फ का बड़ा हिस्सा ल्हेंदे नदी के प्रवाह को रोक सकता है। इससे नदी में पानी जमा हुआ और दबाव बढ़ता गया। बाद में यह पानी अचानक नीचे की ओर फूट पड़ा, जिससे बेहद तेज सैलाब आया।

प्रोफेसर कायास्था का यह आकलन नेपाल और चीन के वैज्ञानिकों के साथ हुई प्रारंभिक चर्चाओं पर आधारित है। वैज्ञानिक अभी यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या इस घटना के दौरान किसी हिमनदीय झील के टूटने की घटना हुई थी। इस क्षेत्र में पहले भी हिमनदीय झीलों के फटने की घटनाएं हो चुकी हैं, इसलिए इस संभावना को भी जांच के दायरे में रखा गया है। प्रोफेसर कायास्था ने भारी बारिश को इस बाढ़ का मुख्य कारण नहीं माना है। उन्होंने कहा कि बाढ़ का अचानक और बेहद तेज स्वरूप इस बात की ओर संकेत करता है कि ऊपरी क्षेत्र में जमा पानी एकाएक नीचे की ओर फूटा। उनके अनुसार, यह सामान्य मौसमी बाढ़ नहीं थी। बाढ़ की प्रकृति को देखते हुए ऐसा लगता है कि पानी अचानक दबाव के साथ नीचे की ओर आया। ▶8 पर

पेपर लीक की जांच में हुआ बड़ा खुलासा

ड्रग इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा रद्द

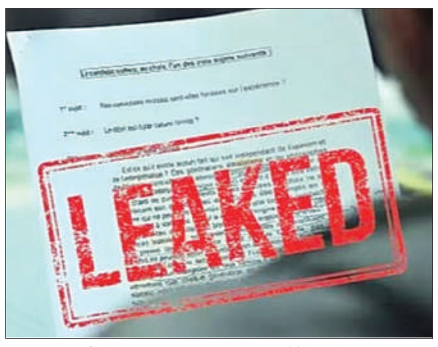

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। देशभर में पेपर लीक के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नीट परीक्षा के पेपर लीक समेत कई मामलों के बाद अब महाराष्ट्र में भी भर्ती परीक्षा को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने खाद्य एवं औषधि विभाग में औषधि निरीक्षक समूह-बी पदों के लिए आयोजित भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। प्रश्नपत्र में गड़बड़ी और पेपर लीक की शिकायतों के बाद मुंबई अपराध शाखा ने मामले की जांच की, जिसमें कई अहम बातें सामने आई हैं।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि परीक्षा से पहले ही एक उम्मीदवार के पास प्रश्नपत्र पहुंच गया था और उसने इसका फायदा भी उठाया। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद आयोग ने पूरी भर्ती परीक्षा रद्द करने का फैसला किया है।

पेपर लीक की शिकायतों के बाद लिया फैसला

औषधि निरीक्षक समूह-बी भर्ती के लिए महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने 29 जुलाई 2025 को विज्ञापन जारी किया था। इसके बाद मार्च 2026 में स्क्रीनिंग परीक्षा आयोजित की गई। परीक्षा महाराष्ट्र के छह विभागीय मुख्यालयों में बनाए गए केंद्रों पर ऑफलाइन माध्यम से हुई थी।

परीक्षा के बाद कुछ उम्मीदवारों ने प्रश्नपत्र में गड़बड़ी की शिकायत की थी। आयोग को 22 जुलाई से 26 जुलाई के बीच ईमेल के जरिए ये शिकायतें प्राप्त हुईं। शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि कुछ उम्मीदवारों को परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र मिल गया था। ▶8 पर

कृति एड हटा

नई दिल्ली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के मौके पर ब्रालेट ब्लाउज में नजर आना अभिनेत्री कृति सेनन के लिए विवाद का कारण बन गया। जूलरी ब्रांड के एक विज्ञापन में कृति सेनन को रिवीलिंग आउटफिट में अपने ऑनस्क्रीन भाई को राखी बांधते हुए देखा गया। विज्ञापन सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने कृति और जूलरी ब्रांड को जमकर निशाने पर लिया। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने भी कृति के पहनावे पर सवाल उठाए। विवाद बढ़ने के बाद जूलरी ब्रांड ने अपना विज्ञापन सभी मंचों से हटा लिया।

ब्रालेट पहनकर राखी बांधना पड़ा भारी

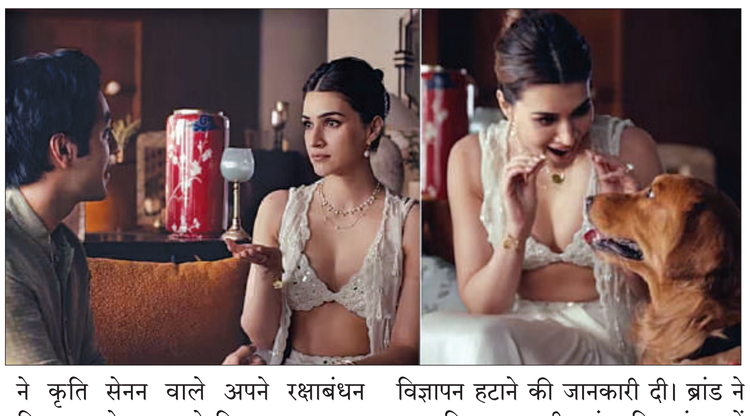

विवाद बढ़ा तो हटाया गया कृति का विज्ञापन

रक्षाबंधन से पहले राखी के विज्ञापन को लेकर विवाद बढ़ता देख जूलरी ब्रांड जीवा ने इस मामले पर प्रतिक्रिया दी। ब्रांड ने कृति सेनन वाले अपने रक्षाबंधन विज्ञापन को वापस ले लिया।

जीवा ने अपने आधिकारिक सामाजिक मंच पेज पर बयान जारी कर विवादित विज्ञापन हटाने की जानकारी दी। ब्रांड ने कहा कि वह भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के प्रति बेहद सम्मान रखता है। ब्रांड के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य त्योहार की भावना को पालतू जानवरों तक पहुंचाना था।

ब्रांड ने अपने बयान में कहा कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के प्रति उसके मन में सर्वोच्च सम्मान और गहरा आदर है। एक ब्रांड के रूप में उसने हमेशा पूरे परिवार के साथ खुशी के पलों को मनाने में विश्वास किया है और इस बार वह इसी प्यार और उत्सव को पालतू जानवरों तक ले जाना चाहता था।

बयान में आगे कहा गया कि यदि विज्ञापन से अनजाने में समाज के किसी वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंची है तो ब्रांड स्पष्ट करना चाहता है कि ऐसा करने का उसका कोई इरादा नहीं था। ब्रांड ने विज्ञापन को सभी मंचों और माध्यमों से हटा दिया है तथा त्योहार के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी हैं। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 24^0

विज्ञापन पर राजस्थान सरकार का बड़ा एक्शन

नीले जूते महँगे पड़े?

जयपुर, 26 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने एक अस्पताल द्रा संचालित 9 सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) सुविधाओं और एक सरोगेसी सुविधा का पंजीकरण अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। इन सुविधाओं के विज्ञापन में बच्चों के नीले जूते दिखाए गए थे। अधिकारियों का कहना है कि नीला रंग आमतौर पर लड़के से जुड़ा माना जाता है और विज्ञापन में इसके इस्तेमाल से प्रथम दृष्टया ऐसा संकेत मिलता है कि लिंग चयन से जुड़ी सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा था।

सरकार ने इसे सहायक प्रजनन तकनीक और सरोगेसी से जुड़े नियमों के उल्लंघन का मामला मानते हुए कार्रवाई की है।

एक समाचार एजेंसी के मुताबिक, स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खिमसर ने बताया कि राज्य में एआरटी

और सरोगेसी सेवाओं से जुड़े नियमों के उल्लंघन का मामला सामने आने के बाद सोमवार को कार्रवाई की गई।

उन्होंने बताया कि नीलकंठ फर्टिलिटी एंड वुमन केयर हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित 9 एआरटी क्लीनिक, एक एआरटी बैंक और एक सरोगेसी क्लीनिक के पंजीकरण प्रमाणपत्र को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक निलंबित कर दिया गया है। ▶8 पर

हरियाणवी अभिनेता की हत्या

शामली, 26 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के शामली में बुधवार शाम सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां यूट्यूबर और हरियाणवी अभिनेता अंकित बालियान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना शामली कोतवाली क्षेत्र की बताई जा रही है। अंकित बालियान शाम के वक्त जिम गए थे। वहां से बाहर निकलते ही बदमाशों ने उन पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां लगने से वह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े।

जिम से निकलते ही बदमाशों ने बरसाईं गोलियां

अंकित बालियान
मृतक

फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल अंकित बालियान को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने वारदात वाली जगह की जांच शुरू कर दी है। आसपास मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है, ताकि हमलावरों तक पहुंचा जा सके। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अंकित बालियान शाम के समय जिम गए थे। जिम से बाहर निकलने के बाद वह जैसे ही बाहर आए, हमलावरों ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। अचानक हुई फायरिंग के कारण अंकित को संभलने या बचने का मौका नहीं मिला। ताबड़तोड़ गोलियां चलने के बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। ▶8 पर

अमेरिका और ईरान होर्मुज के ताजा हालात की नहीं दे रहे सही जानकारी : पूर्व राजनयिक जोई हुड

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका के पूर्व राजनयिक जोई हुड ने कहा कि होमुर्ज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट आफ होर्मुज) की स्थिति के बारे में न तो वाशिंगटन और न ही तेहरान पूरी तरह सही जानकारी दे रहे हैं। हुड ने कहा, डोनाल्ड ट्रंप अकसर कहते हैं कि यह जलमार्ग खुला है। उनका यह कहना पूरी तरह सही नहीं है। ईरान का यह कहना भी पूरी तरह सही नहीं है कि उन्होंने तेहरान ने इसे बंद कर दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, हुड ने कहा कि ईरान के पास इस जलमार्ग को पूरी तरह से बंद करने के लिए जरूरी साधन नहीं हैं। उन्होंने कहा, होर्मुज किसी हाइवे जैसा नहीं है, जहां आप कोई गेट लगा दें या शिपिंग रोकने के लिए कोई रुकावट खड़ी कर दें। ईरान दबाव बनाने के लिए बिना हथियारों वाले कमर्शियल जहाजों को धमकाता है और फिर उन पर मिसाइलें दागता हैं।

हुड ने कहा कि कुछ जहाज़ अपने ट्रांसपोंडर बंद कर देते हैं रात में यात्रा करते हैं और ओमान के तट के करीब से गुजरते हैं। अमेरिकी सेना अपने पास मौजूद संसाधनों से उनकी सुरक्षा करने की कोशिश करती है। इस बीच ईरान के उप विदेशमंत्री काजिम गरीबाबादी ने कहा कि ओमान के साथ हुए अस्थायी ट्रांजिट समझौते के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। इस जलमार्ग को पूरी तरह खोलने से पहले वाशिंगटन को समझौता ज्ञापन के तहत किए गए अपने वादों को पूरा करना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का कहना है कि जलडमरूमध्य के अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र से सभी बारूदी सुरंगें हटाकर नष्ट कर दी गई हैं और तेहरान को चेतावनी दी गई है कि नई बारूदी सुरंगें बिछाने वाले किसी भी जहाज को नष्ट कर दिया जाएगा। उधर, वेसल ट्रैकिंग सर्विस (टैंकर ट्रैकर्स डाट काम) के मुताबिक, ओमान की खाड़ी में जहाज से जहाज (एसटीएस) ट्रांसफर के कम से कम 20 मामले सामने आए हैं। एसटीएस ट्रांसफर में समुद्र के बीच एक जहाज से दूसरे जहाज में सीधे कार्गो पंप किया जाता है। इसका इस्तेमाल अकसर कार्गो के मूल स्थान को छिपाने या प्रतिबंधों वाले या ज्यादा जोखिम वाले इलाकों में बंदरगाह पर जाने से बचने के लिए किया जाता है।

एक्स पर एक पोस्ट में कंपनी ने बताया कि ईरान को छोड़कर इस क्षेत्र के लगभग हर देश से आने वाले 25 मिलियन बैरल कच्चे तेल और अन्य रिफाइंड उत्पादों का हिसाब रखा गया है। टैंकर ट्रैकर्स ने बाद में बताया कि उसने पांच और ट्रांसफर मामलों की पहचान की है, जिनमें ईरान की लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) का मामला भी शामिल है।

न्यूज ब्रीफ

इटली में सैकड़ों साल पुराने कुएं में मिले महिला-पुरुष के कंकाल

रोम। इटली में पुरातत्वविदों को कुएं की गहराई से एक पुरुष और एक महिला के कंकाल बरामद हुए हैं, जो करीब 2500 साल पुरानी होने का दावा किया जा रहा है। खुदाई में मिली चीजों ने प्राचीन एट्रस्कन सभ्यता के धार्मिक अनुष्ठानों को लेकर नई दिलचस्पी पैदा कर दी है। महिला और पुरुष के कंकाल के अलावा तांबे और टिन से बने कांस्य की महिला मूर्तियों के टूटे हुए हिस्से और एक दुर्लभ कांस्य प्लेट भी मिली है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह कुआं केवल पानी जमा करने के लिए नहीं बनाया गया था, बल्कि इसका इस्तेमाल धार्मिक गतिविधियों के लिए भी किया जाता रहा होगा। यह पुराना कुआं आधुनिक इटली के बोलोन्या शहर के बाहरी इलाके में मिला है। करीब पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में इस क्षेत्र में एट्रस्कन लोगों ने काइनुआ नाम का शहर बसाया था। कुआं इसी प्राचीन शहर के एक धार्मिक स्थल के पास मिला है। उस स्थान पर यूनी नाम की देवी की पूजा की जाती थी। एट्रस्कन सभ्यता में यूनी को महत्वपूर्ण देवी माना जाता था और उनकी तुलना प्राचीन रोम की देवी जूनो से की जाती है। कुएं से मिली कांस्य मूर्तियां भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनमें महिलाओं या युवतियों को आकर्षक वस्त्रों और बारीक सजावट के साथ दर्शाया गया है। पुरातत्वविदों का मानना है कि ये मूर्तियां किसी उच्च सामाजिक वर्ग की महिलाओं का प्रतीक हो सकती हैं या फिर स्वयं देवी का रूप दर्शाती हों। यह संभावना भी जताई जा रही है कि युवा महिलाएं इन्हें देवी यूनी को चढ़ावे के रूप में लेकर आती रही हों। मूर्तियों के जानबूझकर तोड़े जाने की भी आशंका है, क्योंकि प्राचीन धार्मिक परंपराओं में किसी वस्तु को तोड़कर देवता को समर्पित करने के प्रमाण मिलते हैं। कुएं से मिली कांस्य प्लेट ने भी शोधकर्ताओं का ध्यान खींचा है।

सरसंघचालक डा. भागवत पहुंचे न्यूयार्क, मैडिसन स्क्वायर पर करेंगे सभा को संबोधित

न्यूयार्क (अमेरिका)। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत को अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे। न्यूयार्क के जान एफ. कैनेडी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय ने डा. भागवत का स्वागत किया। संघ प्रमुख की यह यात्रा आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है। संघ प्रमुख भागवत के कार्यक्रम की मेजबानी अहेड फोरम (अमेरिकन हिंदूज फार एंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम) कर रहा है। अहेड फोरम ने एक्स पर कहा, इस कार्यक्रम का संदेश शाश्वत और सार्वभौमिक है कि दुनिया एक परिवार है। यह हमें बनावटी विभाजनों और मतभेदों से ऊपर उठने, मानवता को जोड़ने वाले बंधनों को पहचानने और आपसी सम्मान, सद्भाव व एकता की भावना को अपनाने का आह्वान करता है। अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयार्क में प्रवास के दौरान सरसंघचालक यूनिवर्सल वननेस (सार्वभौमिक एकता) कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और शनिवार को मशहूर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5000 लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। संघ प्रमुख डा. भागवत संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा कर रहे हैं।

पाकिस्तान में मुनीर को असीम शक्तियां, मार्शल ला की ओर देश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर की सत्ता की भूख थमने का नाम नहीं ले रही है। संसद के उच्च सदन में कुछ ही घंटों के भीतर डिफेंस फोर्सेस आफ पाकिस्तान एक्ट 2026 जैसा कानून पास कराकर मुनीर ने अपनी ताकतों का ऐसा विस्तार कर लिया है, जो वहां के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। जिस जल्दबाजी में यह विधेयक पास हुआ, उसने पाकिस्तानी संसद की संप्रभुता और वहां के लोकतंत्र की बची-खुची साख पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस नए कानून के लागू होते ही आसिम मुनीर पाकिस्तान के सैन्य इतिहास के सबसे ताकतवर शख्स बन गए हैं। वे इस समय एक साथ तीन-तीन अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उनकी पहचान साल 2014 से 2016 के बीच तब बनी थी, जब वे उत्तरी क्षेत्रों के मेजर जनरल थे। उनके उस कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर में घुसपैठ की कोशिशें 200 से बढ़कर 371 के पार पहुंच गई थीं। इसी ट्रैक रिकार्ड के दम पर वे पहले सैन्य खुफिया और फिर प्रमुख खुफिया एजेंसी के प्रमुख बने। जब इमरान खान ने उन्हें 8 महीने में खुफिया एजेंसी प्रमुख के पद से हटाया था, तो शायद किसी ने नहीं सोचा था कि मुनीर इतनी जोरदार वापसी करेंगे।

अमेरिका में शरण मांगने वाले 70 हजार भारतीयों को झटका, ट्रंप प्रशासन रद्द करने जा रहा 2 लाख बी-1/बी-2 वीजा

वॉशिंगटन, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। अमेरिका शरण मांगने वाले कम से कम 2 लाख प्रवासियों के व्यापार और पर्यटक वीजा रद्द करने जा रहा है। इनमें 70 हजार से अधिक भारतीय भी शामिल हैं। अगर यह फैसला लागू होता है तो यह अमेरिकी इतिहास में वीजा रद्द करने का सबसे बड़ा सामूहिक मामला होगा। अमेरिका खास तौर पर पिछले 10 वर्षों में जारी किए गए बी-1 और बी-2 वीजा रद्द करने जा रहा है। उसका मानना है कि पिछले 10 वर्षों में बड़ी संख्या में लोग पर्यटन, व्यापार और पारिवारिक मुलाकातों के लिए अमेरिका की यात्रा करते हैं और बाद में शरण मांगने लगते हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के दस्तावेज के अनुसार, 2016 और 2026 के बीच जारी किए गए बी-1 और बी-2 वीजा धारक, जिन्होंने शरण मांगी है या जो वर्तमान में शरण मांग रहे हैं, उनके वीजा रद्द किए जा सकते हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, कुछ अप्रवासी स्थायी रूप से रहने के प्रयास में शरण का दावा दायर करने से पहले अल्पकालिक प्रवास के लिए कानूनी रूप से देश में प्रवेश करने के लिए वीजा का इस्तेमाल करते हैं।

शरण देने को लेकर सख्त हुआ अमेरिका

उप विदेश सचिव क्रिस्टोफर लैंडौ ने सोमवार को कहा, शरण का मतलब आव्रजन कानूनों को दरकिनार करने का बहाना नहीं होना चाहिए। हालांकि, तब तक विदेश विभाग ने औपचारिक रूप से इस नीति की घोषणा नहीं की थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगोट ने कहा, शरण मांगने के उद्देश्य से वीजा प्राप्त करना धोखाधड़ी है, जो वीजा रद्द करने का आधार है।

70 हजार से अधिक भारतीयों पर असर

दक्षिण एशिया में जारी किए गए अमेरिकी गैर-आप्रवासी वीजा में सबसे ज्यादा संख्या भारतीयों की है। सितंबर 2025 में भारतीयों को 70,903 बी-1/बी-2 आगंतुक वीजा प्राप्त हुए, जो पाकिस्तान को जारी किए गए वीजा की संख्या से 14 गुना से भी अधिक थे।इस महीने की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने 5.5 करोड़ से अधिक वीजा धारकों की समीक्षा की घोषणा की थी, जिसके परिणामस्वरूप 1 लाख 75 हजार से अधिक वीजा रद्द किए गए।

छात्रों के भी वीजा रद्द कर रहा अमेरिका

ट्रंप प्रशासन का कहना था कि ये वीजा उन विदेशी नागरिकों के थे, जिनके बारे में विदेश विभाग ने कहा कि उन्होंने अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था, अपराध किए थे, अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ हिंसा का आह्वान किया था, अमेरिकियों को धोखा दिया था, हमारी आव्रजन प्रणाली का दुरुपयोग किया था या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाला था।

जनवरी से अगस्त 2025 के बीच हजारों विदेशी छात्रों के वीजा भी रद्द किए गए। अमेरिकी विदेश मंत्री ने इनकी संख्या 6 हजार से अधिक बताई थी।

भारतीय आवेदकों पर बढ़ सकती है सख्ती

अमेरिकी प्रशासन के इस कदम से अमेरिका में रह रहे और भविष्य में अमेरिका की यात्रा की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों के बीच चिंता बढ़ सकती है। विशेष रूप से उन लोगों पर इसका असर पड़ने की संभावना है, जिन्होंने बी-1 या बी-2 वीजा पर अमेरिका में प्रवेश करने के बाद शरण के लिए आवेदन किया है।

वीजा नीति में लगातार कड़े कदम

ट्रंप प्रशासन के कार्यकाल में अमेरिकी वीजा और आव्रजन व्यवस्था की समीक्षा लगातार तेज हुई है। प्रशासन की ओर से वीजा नियमों के उल्लंघन, आव्रजन व्यवस्था के कथित दुरुपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मामलों पर सख्ती बरती जा रही है।

ऐसे में शरण मांगने वाले विदेशी नागरिकों के साथ-साथ अमेरिका में पढ़ाई, कारोबार और पर्यटन के लिए जाने वाले लोगों के दस्तावेजों की जांच भी पहले की तुलना में अधिक कड़ी होने की संभावना है।

नेपाल में पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का विरोध

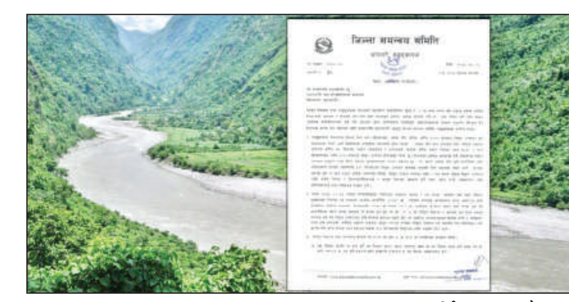

काठमांडू

नेपाल में पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का विरोध शुरू हो गया है। जिला समन्वय समिति खांदवारी और संखुवासभा ने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद कार्यालय को लिखे पत्र में धार्मिक और पौराणिक महत्व की बरुण नदी में जलविद्युत परियोजना का निर्माण ना कराने का आग्रह किया है। यह परियोजना संखुवासभा जिले के भोटखोला गाउंपालिका के स्याक्सिला स्थित मकालू-बरुण राष्ट्रीय निकुंज तथा संरक्षण क्षेत्र में बरुण नदी पर प्रस्तावित है।

समिति ने 132 मेगावाट क्षमता वाली लोअर बरुण खोला जलविद्युत परियोजना के निर्माण की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। जिला समन्वय समिति के प्रमुख सुमन शाक्य ने कहा कि बरुण नदी धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। इसका संरक्षण आवश्यक है। समिति के अनुसार, भोटखोला गाउंपालिका की 13वीं कार्यपालिका बैठक ने भी वार्ड नंबर 4 में आने वाली बरुण नदी को धार्मिक विरासत के रूप में संरक्षित करने तथा मकालू-बरुण राष्ट्रीय निकुंज एवं संरक्षण क्षेत्र के भीतर जलविद्युत निर्माण रोकने का निर्णय लिया था। जिला समन्वय समिति ने गाउंपालिका के इस निर्णय का समर्थन करते हुए संबंधित निकायों का ध्यान आकर्षित कराया है।

समिति के अनुसार, संखुवासभा में अरुण नदी को छोड़कर विभिन्न नदियों से करीब 6,000 मेगावाट बिजली उत्पादन की क्षमता है। वर्तमान में राष्ट्रीय प्रसारण लाइन में करीब 75 मेगावाट बिजली जुड़ी हुई है, जबकि अरुण नदी से करीब 3,576 मेगावाट बिजली उत्पादन की प्रक्रिया चल रही है। बरुण नदी में परियोजना का निर्माण होने से धार्मिक आस्था, पर्यावरण और पूरे क्षेत्र पर असर पड़ने की आशंका जताते हुए समिति ने राष्ट्रीय निकुंज तथा वन्यजीव संरक्षण अधिनियम सहित कानूनी प्रावधानों और संरक्षित क्षेत्र संबंधी नीतियों के अनुसार परियोजना की अनुमति नहीं देने का आग्रह किया है। संरक्षित क्षेत्र के भीतर भौतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण संबंधी कार्यनीति के प्रावधानों को लागू करने का अनुरोध भी संबंधित निकायों से किया गया है। बरुण नदी को हिंदू और बौद्ध धर्मावलंबी धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मानते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, नदी से कई पौराणिक मान्यताएं जुड़ी हुई हैं। बरुण नदी के किनारे हर वर्ष माघ महीने की पहली तारीख को लगने वाला मकर मेला भोट क्षेत्र और निचले इलाकों के निवासियों के बीच मुलाकात का महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करता है।

अमेरिका में मिले करीब 3.8 करोड़ साल पुराने चार सांपों के जीवाश्म

न्यूर्याक। वैज्ञानिकों को करीब 3.8 करोड़ साल पुराने चार सांपों के जीवाश्म मिले हैं। अमेरिका के व्योमिंग में मिले इन दुर्लभ अवशेषों ने प्राचीन सांपों के जीवन और उनके व्यवहार को समझने का नया रास्ता खोला है। जांच के बाद इन जीवाश्मों को वैज्ञानिकों ने एक नई प्रजाति के रूप में पहचानते हुए इसका नाम हाइबरनोफिस ब्रेथाप्टी रखा है। इनमें करीब चार लगभग पूरे कंकाल शामिल हैं। खास बात यह है कि इनमें से तीन सांप एक साथ, बिल जैसी संरचना में दबे मिले, जबकि चौथा सांप उसी चट्टानी परत में थोड़ी दूरी पर मिला। ये जीवाश्म अमेरिका की व्हाइट रिवर फार्मेशन की चट्टानों से बरामद हुए हैं और इनकी उम्र शुरुआती ओलिगोसीन काल की बताई गई है। वैज्ञानिकों के अनुसार यहां की चट्टानों की न्यूनतम उम्र करीब 3.2 करोड़ वर्ष है। जिस बारीक रेतीली मिट्टी वाली चट्टान में सांपों के अवशेष मिले, उसके किसी छोटी बाढ़ के दौरान जमा होने की संभावना है। मिट्टी, पानी और ज्वालामुखीय राख से बने इस वातावरण ने जीवाश्मों को लंबे समय तक सुरक्षित रखने में अहम भूमिका निभाई। इस खोज की सबसे दिलचस्प बात तीन सांपों का एक ही स्थान पर मिलना है।

बांग्लादेश में चोरों ने सोना-चांदी-नगदी नहीं इंसानी बाल चुराकर किया हैरान

वैन से 330 किलो बाल लूटे, कीमत करीब 1 करोड़ टका, दो आरोपी गिरफ्तार

ढाका

बांग्लादेश में चुआडांगा जिले में हथियारबंद बदमाशों ने एक वैन को रोककर 330 किलो इंसानी बाल से भरे 23 बोरे लूट लिए। चोरी किए गए बालों की कीमत करीब 1 करोड़ टका बताई जा रही है जो भारतीय रुपए में 79 लाख है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना दमुरहुदा इलाके के कोशाघाटा की बताई जा रही है।

पुलिस के मुताबिक 7-8 हथियारबंद लोगों ने बालों से लदी वैन को रास्ते में रोका। इसके बाद बदमाशों ने वैन से बालों से भरे 23 बोरे उतारे और फरार हो गए। आमतौर पर चोरी की घटनाओं में सोना, नकदी, मोबाइल या दूसरे महंगे सामान निशाने पर होते हैं, लेकिन इस मामले में चोरों ने 330 किलो इंसानी बाल लूटे हैं। स्थानीय कारोबारियों के मुताबिक इन बालों की बाजार कीमत 1 करोड़ टका से ज्यादा है। यानी जिस चीज को आम लोग बेकार समझकर फेंक देते हैं, वह बांग्लादेश में एक बड़ा कारोबार बन चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामला और भी दिलचस्प इसलिए है क्योंकि ये बाल किसी ब्यूटी पार्लर या दुकान से चोरी नहीं हुए थे। इन्हें एक फैक्टरी से प्रोसेसिंग के लिए ले जाया जा रहा था। बांग्लादेश हेयर प्रोसेसिंग स्माल बिजनेस कोआपरेटिव एसोसिएशन के अध्यक्ष के मुताबिक यह खेप करपसडांगा की एक फैक्टरी भेजी जा रही थी। इसमें 22 कारोबारियों का माल शामिल था यानी एक ही वैन में कई कारोबारियों की करोड़ों की खेप जा रही थी और बदमाशों ने रास्ते में लूट लिया।

पुलिस ने जांच में वैन चालक मोहम्मद शाहिदुल इस्लाम और फैक्टरी मैनेजर सनवार हुसैन संतु को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर चोरी किए गए 23 बोरे बरामद कर लिए गए हैं। हालांकि, वारदात में शामिल बाकी लोगों की तलाश जारी है। इस अजीबोगरीब चोरी ने स्थानीय कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी है। उनका कहना है कि मामला सिर्फ 330 किलो बाल चोरी होने का नहीं है। सवाल यह भी है कि आखिर इतने बड़े माल को निशाना बनाने वाला गिरोह कितना बड़ा है और उसके पीछे कौन लोग हो सकते हैं।

चीन ने हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल किया तैयार, रेंज देखकर ट्रंप टेंशन में

यह उड़ान के दौरान बदल सकता है दिशा, दुश्मन को इसे रोकना मुश्किल

बीजिंग

आज हर देश अपनी सुरक्षा के लिए घातक से घातक हथियार बना रहा है, ताकि वह पीछे न रह जाए। खासतौर पर अमेरिका और चीन के बीच में ये दौड़ सबसे तेज है। इस बार चीन ने जो हथियार बनाया है, वह डोनाल्ड ट्रंप को टेंशन दे सकता है क्योंकि इसकी रेंज में उसके मिलिट्री हवाई अड्डे आ रहे हैं।

चीन ने ऐसे हाइपरसोनिक ग्लाइड व्हीकल तैयार किए हैं, जो हजारों किलोमीटर दूर मौजूद अहम विमानों पर हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दाग सकते हैं। इसकी वजह से भविष्य में चीन और अमेरिका के बीच सैन्य संघर्ष की स्थिति बनेगी, तो अमेरिकी हवाई अभियानों के लिए बड़ी चुनौती पैदा हो सकती है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन हथियारों का इस्तेमाल सीधे लड़ाकू विमानों के बजाय उन विमानों को निशाना बनाने के लिए किया जा सकता है, जो दूर रहकर सैन्य अभियानों को मदद देते हैं। इनमें हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर, हवाई निगरानी और कमांड विमान और उड़ते हुए कमांड सेंटर शामिल हैं। एचसीवी ऐसा हथियार है, जिसे मिसाइल की मदद से ऊंचाई तक पहुंचाने के बाद वह बेहद तेज गति से वातावरण में आगे बढ़ता है। इसकी खासियत यह है कि यह उड़ान के दौरान दिशा बदल सकता है। इससे इसे रोकना मुश्किल है और इसकी प्रभावी मारक क्षमता भी बढ़ सकती है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन की डीएफ-17 मिसाइल से छोड़ा गया हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन करीब 2414 किलोमीटर तक जा सकता है। यह दूरी चीन से अमेरिकी क्षेत्र गुआम तक करीब पहुंचती है, जहां अमेरिका का बड़ा सैन्य अड्डा है। वहीं डीएफ-27 मिसाइल की रेंज करीब 5000 मील बताई गई है, जो हवाई तक पहुंचने के लिए काफी है।

रिपोर्ट में इसे लंबी किल चेन बताया गया है। इसमें दूर के सेंसर से जानकारी मिसाइल तक पहुंचाने का पूरा सिलसिला शामिल है। दुश्मन इस सिलसिले को बीच में तोड़ने की कोशिश कर सकता है, लेकिन ये आसान नहीं होगा।

अमेरिकी वायुसेना का ई-4बी नाइटवाच भी ऐसे संभावित लक्ष्यों में शामिल बताया गया है। ये एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम और उड़ते कमांड पोस्ट जैसे विमानों को खतरे में डाल सकता है। ये विमान आमतौर पर सीधे युद्ध से दूर रहकर पूरी सैन्य कार्रवाई को सपोर्ट करते हैं। अमेरिकी रक्षा विभाग के अनुमान के मुताबिक 2024 तक चीन के पास कम से कम 3150 बैलिस्टिक मिसाइलें और करीब 300 जमीन से लान्च होने वाली क्रूज मिसाइलें थीं।

चीन के साथ-साथ अमेरिका भी लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों पर तेजी से काम कर रहा है। इससे साफ है कि भविष्य के संभावित हवाई युद्ध में लंबी दूरी के हथियार और दुश्मन के सपोर्ट विमानों को निशाना बनाने की क्षमता बेहद अहम भूमिका निभा सकती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी. इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा. प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुडे हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायदेमंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बडे स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुडने का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी । ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गो का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बरोबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्यावसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढ़े हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढेगी आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा. शि–क्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय– मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठाएंगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा. आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी–साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख–सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे । गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें . शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा.

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 अगस्त 2026 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2083
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 09:10 तक
नक्षत्र : धनिष्ठा रात्रि 02:16 तक
योग : शोभन प्रातः 07:55 तक
करण : वणिज प्रातः 09:10 तक
चन्द्राशि : मकर दोपहर 01:36 तक
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:33 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:33 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:53, सूर्यास्त 06:24 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्णिमा व्रत , सूण माण्डना भद्रा से पहले, भद्रा प्रातः 09:10 से रात्रि 09:29 तक , पंचक नक्षत्र 01:37 से , हयग्रीव जयंती , शुक्ल यजुर्वेदीय श्रावणी उपाकर्म

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मैसूर में दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की वार्षिक आम सभा संपन्न

वरिष्ठ नागरिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन और डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल का 75वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

मैसूर, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। हाल ही में दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज की वार्षिक आम सभा, वरिष्ठ नागरिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन तथा समाज के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल का 75वां जन्मोत्सव मैसूर स्थित प्रसिद्ध ङ्गगुरु रेसीडेंसी होटलफ में अत्यंत भव्यता एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

इस बहुआयामी आयोजन में दक्षिण भारत के विभिन्न राज्योंतमिलनाडु के शिवाकाशी, तिरुपुर, कोयंबटोर और चेन्नई, कर्नाटक के बेंगलुरु, हुबली, रायचूर, बेल्लारी, होसपेट और मैसूर, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के हैदराबाद तथा गोवा और अहमदाबाद से विभिन्न सामाजिक संगठनों के अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं आजीवन सदस्यों ने बड़ी संख्या में शिरकत की।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित वरिष्ठ नागरिक वैवाहिक परिचय सम्मेलन में कुल 40 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। सम्मेलन में उपस्थित महिला एवं पुरुष प्रत्याशियों का परस्पर परिचय कराया गया तथा उन्हें आपस में संवाद करने का मंच प्रदान किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने समाज में वरिष्ठ नागरिकों के पुनर्वास एवं एकाकीपन को दूर करने की वर्तमान आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि समाज में वरिष्ठ नागरिकों के अधिक से अधिक संबंध एवं विवाह संपन्न होने चाहिए, जिससे वृद्धाश्रमों की आवश्यकता ही समाप्त हो सके।

वार्षिक आम सभा में गतिविधियों एवं लेखा–जोखा की प्रस्तुति

वार्षिक आम सभा की शुरुआत में सचिव श्री श्याम चौधरी ने संस्था की वार्षिक गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसे सदन ने करतल ध्वनि के साथ पारित किया। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष श्री अरुण कुमार सुल्तानिया ने ऑडिटेड लेखा–जोखा पेश किया, जिसे भी सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई।

बैठक में दक्षिण भारतीय अग्रवाल विकास ट्रस्ट के निर्माण पर भी विस्तृत चर्चा हुई, जिसे अगली बैठक तक के लिए स्थगित रखा गया।

समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान

इस अवसर पर समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान देने वाले गणमान्य प्रबुद्धजनों श्री विजयकुमार गोयल, श्री रामनिवास गुप्ता, श्री बिपिनराम अग्रवाल, श्री नारायणदास अग्रवाल एवं श्रीमती भारती महाजन को अग्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

साथ ही श्री सीताराम गोयल, श्री श्याम चौधरी, श्री अरुण कुमार सुल्तानिया एवं श्री महेश अग्रवाल को महाराज अग्रसेन सेवा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल का 75वां जन्मोत्सव बना आकर्षण का केंद्र

संध्या काल में अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल के 75वें जन्मोत्सव के अवसर पर समाज बंधुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मधुर संगीत और स्वादिष्ट व्यंजनों के बीच उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉ. मित्तल को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी तथा उनके दीर्घायु होने और समाज सेवा में निरंतर योगदान की कामना की।

इस कार्यक्रम में हैदराबाद से डॉ. रामनिवास गुप्ता एवं महेश अग्रवाल; चेन्नई से सीताराम गोयल, बालगोविंद गुप्ता, अरुण सुल्तानिया एवं विजय गोयल; तिरुपुर से सुशील चोखानी, योगेश जैन (डॉलर) एवं विनय गुप्ता; शिवाकाशी से कमलेश मित्तल एवं ओम प्रकाश कंदोई; बेंगलुरु से सतीश जैन, कृष्ण अग्रवाल, सुभाष बंसल, सतीश गोयल एवं विपिनराम अग्रवाल; बेल्लारी से गौरीशंकर साहूवाला एवं श्यामसुंदर अग्रवाल; होसपेट से श्याम चौधरी; गोवा से नारायणदास अग्रवाल; अहमदाबाद से नट्टू भाई पटेल एवं किन्नरी लखानी तथा हुबली से शैलेश महाजन एवं श्रीमती भारती महाजन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

धन्यवाद प्रस्ताव के साथ इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन का समापन हुआ।

सेवा ही सबसे बड़ी पहचान : संजय गुप्ता

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क वॉटर टैंक पर नियमित सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा ही इंसान की सबसे बड़ी पहचान है। जरूरतमंदों के बीच निस्वार्थ भाव से सेवा करना मानवता की सच्ची मिसाल है।

संजय गुप्ता ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निरंतरता के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है, वह बेहद सराहनीय है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से जरूरतमंदों के बीच अन्नदान एवं अन्य सेवा कार्य किए जा रहे हैं, जिससे समाज में मानवता, करुणा और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि हम राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के आभारी हैं। जिस भावना से ग्रुप सेवा कर रहा है, वह अपने आप में बहुत बड़ी बात है। यह सब राधे रानी की कृपा ही है, जो सेवा के इस पवित्र कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रही है।

संजय गुप्ता ने कहा कि सेवा में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं होना चाहिए। किसी जरूरतमंद को भोजन कराना, उसके दुख में साथ खड़ा होना और उसके चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने समाज के लोगों से भी आग्रह किया कि वे अपनी क्षमता के अनुसार सेवा कार्यों से जुड़ें और मानवता के इस अभियान को मजबूत बनाएं।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि नियमित रूप से चल रहे सेवा कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। यह अभियान केवल जरूरतमंदों की सहायता नहीं करता, बल्कि लोगों को एक–दूसरे के प्रति संवेदनशील और जिम्मेदार बनने का संदेश भी देता है।

इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलालजी गुप्ता, कमल मुंदड़ा, संजय गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की श्रद्धापूर्वक पूजा–अर्चना

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा–अर्चना श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान गणेशजी की पूजा कर सुख, शांति, समृद्धि एवं मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की।

पूजा–अर्चना में राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बल्दवा, विट्ठलदास अग्रवाल (बड़े गांव वाले), प्रमोद कुमार सरायवाला, अशोक लाखोटिया, सुरेश अग्रवाल, सीए राहुल सिंघल, अजय कुमार अग्रवाल, मोहनलाल मित्तल, विनोद टिकमानी, रामकुमार गोयल, अशोक कुमार रूंगटा, विजया लक्ष्मी, माया अग्रवाल, चंदा देवी, पद्म, किरण एवं अन्या सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि–विधानपूर्वक भगवान गणेशजी का पूजन एवं आराधना कर सभी के सुख–समृद्धि और मंगलमय जीवन की कामना की।

तेलंगाना में पात्र व्यक्तियों से 31 अगस्त तक चेयुथा पेंशन के लिए आवेदन करने का आग्रह

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने राज्य में सभी पात्र व्यक्तियों से 31 अगस्त की समय सीमा से पहले 'चेयुथा' सामाजिक सुरक्षा पेंशन के लिए आवेदन करने का आग्रह किया है।

राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए राज्यव्यापी जागरूकता अभियान भी चला रही है कि कोई भी लाभार्थी इस अवसर से छूट न जाये।

अभियान के हिस्से के रूप में पंचायत राज, महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया सीतक्का के निर्देशों पर ग्रामीण गरीबी उन्मूलन समिति (एसईआरपी) ने पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और अंतिम तिथि की जानकारी देने वाले ऑडियो क्लिप, वीडियो और गाने तेलुगु, हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी में जारी किये हैं।

श्री जैन श्रावक संघ, कोरा के तत्वावधान में महासतीजी आगम सीजी म.सा. एवं चेर्याश्रीजी म.सा. के सानिध्य में गौतम लब्धि तप करने वाले तपस्वियों का स्वागत एवं बहुमान किया गया। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं श्रद्धालुओं ने तपस्वियों का अभिनंदन करते हुए उनके तप, त्याग और साधना की सराहना की। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रावक–श्राविकाएं उपस्थित रहे।

ओडेला मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के विकास कार्यों का विधायक ने किया निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ओडेला स्थित प्रसिद्ध श्री मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर के विकास एवं जीर्णोद्धार कार्य चरणबद्ध तरीके से जारी हैं। बुधवार को राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजयरामन राव ने बंदोबस्ती विभाग के अधिकारियों के साथ मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना की।

इस अवसर पर विधायक विजयरामन राव ने दानदाताओं के सहयोग से श्रद्धालुओं के लिए 22 नए छात्रावासों के निर्माण की आधारशिला रखी और कार्य का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि मंदिर की सड़कों एवं अन्य विकास कार्यों पर लगभग 13 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं, जबकि मंदिर के जीर्णोद्धार पर 15 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में नया गोपुरम तथा आकर्षक पत्थर की मूर्तियां स्थापित कर इसे भव्य स्वरूप दिया जाएगा। विकास कार्यों के लिए पर्यटन विभाग से 8 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि भी स्वीकृत कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को भविष्य में किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए मंदिर में सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम में मंदिर समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य, स्थानीय ग्राम सरपंच, कार्यकारी अधिकारी, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष, विभिन्न गांवों के सरपंच, उपसरपंच एवं जनप्रतिनिधि तथा कांग्रेस पार्टी के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पेद्दापल्ली विधायक ने खेल अकादमी, सुपरमार्केट और फार्मेसी का किया उद्घाटन

पेद्दापल्ली, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुल्तानबाद टाउन सेंटर में नवस्थापित एसएनआर स्पोर्ट्स अकादमी एवं एगो मोर फ्रेश सुपरमार्केट तथा एलिगेडु मंडल केंद्र में मेडप्लस फार्मेसी का उद्घाटन पेद्दापल्ली के सरकारी सचेतक एवं विधायक चिंतकुंता विजयरामना राव ने स्थानीय नेताओं के साथ किया।

इस अवसर पर एलिगेडु मंडल की बालिकाओं ने रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में विधायक को राखी बांधी। विधायक ने बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में जिला पुस्तकालय अध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, पार्षद, सिंगल विंडो अध्यक्ष, सरपंच, उपसरपंच, कांग्रेस पार्टी के नेता एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

बांसवाड़ा में मिलाद–उन–नबी पर निकली भव्य रैली

बांसवाड़ा, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। बांसवाड़ा शहर में बुधवार को पवित्र मिलाद–उन–नबी का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने भाग लिया और शहर की प्रमुख सड़कों से रैली निकाली। रैली में बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, जिससे पूरे शहर में जश्न का माहौल बना रहा।

रैली के माध्यम से पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के शांति, भाईचारे, प्रेम, इंसानियत और आपसी सम्मान के संदेश को लोगों तक पहुंचाया गया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर आयोजकों और स्थानीय लोगों ने रैली में शामिल लोगों का स्वागत किया तथा पेयजल, फल, जूस आदि की व्यवस्था की।

रैली के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों पर पुलिस की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के विशेष इंतजाम किए गए। पुलिसकर्मियों ने यातायात को सुचारु बनाए रखने के साथ किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए सतर्कता बरती।

आदिवराह स्वामी जयंती समारोह में शामिल हुए दुद्दिला श्रीनु बाबू

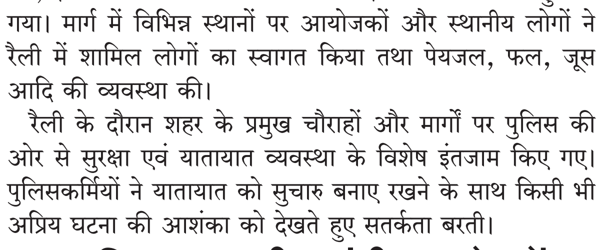

पेद्दापल्ली, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। टीपीसीसी के राज्य महासचिव दुद्दिला श्रीनु बाबू ने बुधवार को पेद्दापल्ली जिले के कामनपुर मंडल केंद्र में आयोजित आदिवराह स्वामी जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने मंदिर में स्वामीजी के दर्शन कर विशेष पूजा–अर्चना की। इस अवसर पर श्रीनु बाबू ने सभी लोगों के सुख, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए कहा कि आदिवराह स्वामी का आशीर्वाद प्रत्येक परिवार पर बना रहे।मंडल कांग्रेस अध्यक्ष सैयद अनवर के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान श्रीनु बाबू ने स्वामीजी की सेवा में शामिल श्रद्धालुओं को स्मृति–चिह्न भेंट किए। इसके बाद मंदिर की शासी परिषद के सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

पैर छुना महत्वपूर्ण परंपरा है और आज भी इसका पालन काफी लोग करते हैं। इस परंपरा के संबंध में कई नियम भी हैं। इस परंपरा के पीछे धार्मिक और वैज्ञानिक, दोनों ही कारण बताए गए हैं। जब भी कोई व्यक्ति चाहे वह स्त्री हो या पुरुष, आपके पैर छुए तो उन्हें आर्शीवाद तो देना चाहिए, साथ ही भगवान का नाम भी लेना चाहिए।

जानिए जब कोई आपके पैर छुए तो आपको क्या-क्या करना चाहिए

किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

पुराने समय से ही परंपरा चली आ रही है कि जब भी हम किसी विद्वान व्यक्ति या उम्र में बडे व्यक्ति से मिलते हैं तो उनके पैर छुते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। यह बात तो सभी जानते हैं कि बडों के पैर छुना चाहिए , लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि जब कोई हमारे पैर छुए तो हमें क्या करना चाहिए।

आमतौर पर हम इस बात का ध्यान रखते हैं कि हमारा पैर किसी को ना लगे। ऐसा होने पर हमें दोष लगता है और जब कोई हमारे पैर छुता है तब भी हमें दोष लगता है। अत: इस दोष से बचने के लिए यहां दिए गए उपाय अवश्य करना चाहिए।

इस श्लोक का अर्थ यह है कि जो व्यक्ति रोज बडे-बुजुर्गों के सम्मान में प्रणाम और चरण स्पर्श करता है। उसकी उम्र, विद्या, यश और शक्ति बढती जाती है।

जब भी कोई हमारे पैर छूता है तो उस समय भगवान का नाम लेने से पैर छूने वाले व्यक्ति को भी सकारात्मक

शास्त्रों में लिखा है कि-
अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविन:।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशो बलम्म।

फल मिलते हैं। आशीर्वाद देने से पैर छूने वाले व्यक्ति की समस्याएं खत्म होती हैं, उम्र बढती है और नकारात्मक शक्तियों से उसकी रक्षा होती है। हमारे द्वारा किए गए शुभ कर्मों का अच्छा असर पैर छुने वाले व्यक्ति पर भी होता है। जब हम भगवान को याद करते हुए किसी को सच्चे मन से आशीर्वाद देते हैं तो उसे लाभ अवश्य मिलता है। किसी के लिए अच्छा सोचने पर हमारा पुण्य भी बढता है।

पैर छूना या प्रणाम करना, केवल एक परंपरा नहीं है, यह एक वैज्ञानिक क्रिया है जो हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुडी है। पैर छूने से केवल बडों का आशीर्वाद ही नहीं मिलता, बल्कि बडों के स्वभाव की अच्छी बातें भी हमारे अंदर उतर जाती है। पैर छूने का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे शारीरिक कसरत होती है। आमतौर पर तीन तरीकों से पैर छुए जाते हैं। पहला तरीका- झुककर पैर छूना। दूसरा तरीका- घुटने के बल बैठकर पैर छूना। तीसरा तरीका- साष्टांग प्रणाम करना।

क्या है फायदे

झुककर पैर छूना- झुककर पैर छूने से हमारी कमर और रीढ की हड्डी को आराम मिलता है।

घुटने के बल बैठकर पैर छूना- इस विधि से पैर छूने पर हमारे शरीर के जोडों पर बल पडता है, जिससे जोडों के दर्द में राहत मिलती है।

साष्टांग प्रणाम- इस विधि में शरीर के सारे जोड थोडी देर के लिए सीधे तन जाते हैं, जिससे शरीर का स्ट्रेस दूर होता है। इसके अलावा, झुकने से सिर का रक्त प्रवाह व्यवस्थित होता है जो हमारी आंखों के साथ ही पूरे शरीर के लिए लाभदायक है। पैर छूने के तीसरे तरीके का सबसे बडा फायदा यह है कि इससे हमारा अहंकार खत्म होता है। किसी के पैर छूने का मतलब है उसके प्रति समर्पण भाव जगाना। जब मन में समर्पण का भाव आता है तो अहंकार खत्म हो जाता है।

शादी के बाद इन उपायों से मिलेगी समृद्धि और शांति

हिंदू धर्म में विवाह को पवित्र संस्कार माना गया है। जिस तरह विवाह न होने की दशा में वास्तु उपाय आजमाते हैं, ठीक उसी तरह विवाह के बाद भी वास्तु उपाय आजमाए जाएं तो वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक रहेगा। इसके लिए आसान से उपाय हैं जो कोई भी विवाहित व्यक्ति आजमा सकता है। श्रावण माह 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। ऐसे में भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरूम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुडी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है। बेहतर है प्राकृतिक सौंदर्य दर्शाने वाली तस्वीर लगाएं। इससे मन को शांति मिलती है, पति-पत्नी में झगडे नहीं होते।

परिवार में लडाई-झगडों से बचने के लिए ड्रॉइंग रूम यानी बैठक में गुलाब, मोगरा जैसे फूलों का गुलदस्ता लगाएं। ऐसे में आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल बना रहेगा। ऐसे कपल जिनकी अभी नई शादी हुई है उनके बेडरूम उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए। यह दिशा वायु देवता की है। इस दिशा में बना शयन कक्ष नवदंपत्ति के बीच होने वाला

भगवान शिव की हर दिन पूजा-अर्चना करें। राशि के अनुसार रत्न धारण करें। बेडरुम में भगवान के कैलेंडर या तस्वीरें या फिर धार्मिक आस्था से जुडी वस्तुएं नहीं रखें। ऐसे में पति-पत्नी के बीच झगडा होना स्वाभाविक हो जाता है।

संपर्क बेहतर बनाएगा। यानी उनके संबंधों को और उत्तेजक व सुखमय बना देगा। ध्यान रखें कि युगल इस दिशा में बने शयन कक्ष को थोडे समय के लिए ही इस्तेमाल करें, क्योंकि यह दिशा अस्थिरता की दिशा है। लंबे समय तक इस सयन कक्ष का प्रयोग किया जाना उनके संबंध में अस्थिरता पैदा कर सकता है। वास्तु के अनुसार, विवाहित जोडे का शयन कक्ष दक्षिण अथवा दक्षिण-पश्चिम में होना चाहिए। इससे उनके बीच स्थायी संबंध रहता है।

क्या है हिन्दू धर्म में पूजा के कमरे का महत्व

शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है। ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है।

हर एक हिन्दू घर में आप एक पूजा का कमरा जरूर पाएंगे। अगर आप जिंदगी के थपेडे झेलते हुए अपने अंदर को टटोलना चाहते हैं तो एक जगह बेहद जरूरी है जो सिर्फ पूजा के लिए हो। हिन्दू धर्म में पूजा की अलग जगह बनाने को मान्यता दी गई है। घर में एक पूजा का कमरा होने मात्र से जो लोग घर में रह रहे होते हैं उनको यह प्रतीत होता है कि भगवान असल में मालिक हैं और हम तो सिर्फ देखभाल करने के लिए हैं।

रोजमर्रा की जिंदगी में अगर इस बात पर विचार किया जाए तो आप वेदांत के आसक्ति के सिद्धांत पर विश्ववास करने लगेंगे।

इससे आप निष्पक्ष हो जाएंगे और अपने कर्तव्य अलिप्त होकर पर बिलकुल मन से कर पाएंगे। सहभागिता इस बात को समझने से आती है कि किया जाने वाला काम अपना है। जिंदगी तब काफी आसान हो जाती है और यह एक नदी की तरह हो जाती है जो राह में बाधा आने पर भी बिना किसी थकान के समुद्र में मिल जाती है। जब आप शांत वातावरण में पूरे दिल से पूजा करते हैं तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होता है। इसलिए पूजा घर इसके लिए सही होता है।

ध्यान लगाने पर मन का परमात्मा के साथ मिलन होता है। अगर आप मन करते हैं दिल के बोझ को हल्का करता है और श्रद्धालु की श्रद्धा को बढाता है। अगर अहम की वजह से आप भगवान को घर का मालिक नहीं मान सकते तो कम से कम अपने घर का सबसे प्रमुख गेस्ट तो मान ही सकते हैं। घर में पूजा का कमरा होने से भगवान से आपका भावुक बंधन बनता है। वह सर्व वयापक हैं और आपके घरों में भी रहते हैं। इसलिए पूजा के कमरे को इंसान की आध्यात्मिक यात्रा का द्वार भी माना गया है।

क्या आप जानते हैं बौध धर्म के उदेश्य क्या है

हम अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अत: सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है।

भागवान बुद्ध ने कहा है :- ''किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये सदियों से चली आ रही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे बुजुर्गो ने कही हैं,किसी चीज को इस लिए मत मानो की ये हमारे लोगो ने कही हैं,किसी चीज को मानने से पहले यह सोचो की क्या ये सही हैं,किसी चीज को मानने से पहले ये सोचो की क्या इससे आप का विकास संभव है, किसी चीज को मानने से पहले उसको बुद्धि की कसोटी पर कसो और आप को अच्छा लगे तो ही मानो नहीं तो मत मानोज।''

अन्य धर्मों की तरह बौध धर्म/धम्म का उदेश्य किस ईश्वर और उसकी किताब के बहाने सामाजिक संगठन बनाकर व्यक्ति को ईश्वरर

बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो।

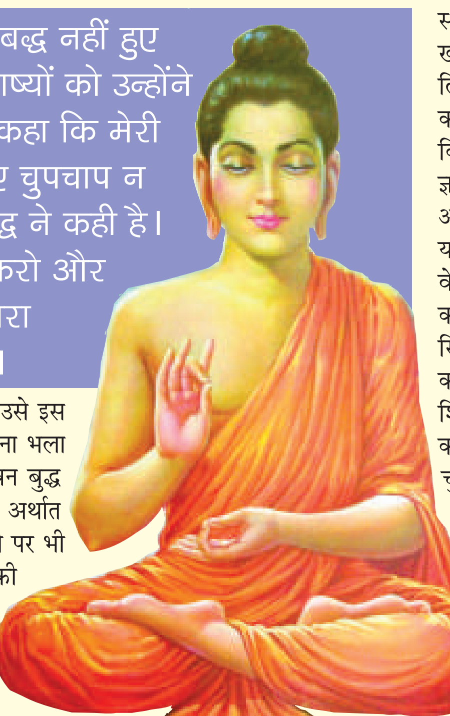

भरोसे छोडना नहीं है अपितु उसे इस लायक बनाना है की वो अपना भला खुद कर सके इसीलिए भगवन बुद्ध कहते हैं ''अत: दीपो भव'' अर्थात अपना दीपक खुद बनो किसी पर भी निर्भर न रहो। बौद्ध धम्म की उत्पति ही इसलिए हुई की प्रत्येक व्यक्ति मनोवैज्ञानिक रूप से इस काबिल बन जाये की वो नेतिकता के मूल उदेश्य को समझ सके, क्योंकि यह सर्वमान्य है की एक व्यक्ति में सभी कुछ योग्यता होती है। बस इस योग्यता को बहार किस प्रकार से या किस माध्यम से निकाला जाये यह मुख्य है। और सिर्फ शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है जो इस योग्यता को बाहर निकलती है।

मनुष्य जिन दु:खों से पीडित है, उनमें बहुत बडा हिस्सा ऐसे दु:खों का है, जिन्हें मनुष्य ने अपने अज्ञान, गलत ज्ञान या मिथ्या दृष्टियों से पैदा कर लिया हैं उन दु:खों का प्रहाण अपने सही ज्ञान द्वारा ही सम्भव है, किसी के आशीर्वाद या वरदान, देवपूजा, यग, ब्रहमणि कर्मकांडों, ज्योतिष आदि से उन्हें दूर नहीं किया जा सकता। सत्य या यथार्थता का ज्ञान ही सम्यक ज्ञान है। हम अपने जन्म से मरण तक जो भी करते हैं उस सबका एक ही अंतिम मकसद होता है- स्थाई खुशी या निर्वाण अत: सत्य की खोज- 'निर्वाण या स्थाई खुशी' के लिए परमावश्यक है। खोज अज्ञात सत्य की ही की जा सकती है,यदि सत्य किसी शास्त्र, आगम या उपदेशक द्वारा ज्ञात हो गया है तो उसकी खोज नहीं। अत: बुद्ध ने अपने पूर्ववर्ती लोगों द्वारा या परम्परा द्वारा बताए सत्य को और वेद पुराण जैसे हर काल्पनिक धर्म ग्रंथों को नकार दिया और अपने लिए नए सिरे से सत्य की खोज की। बुद्ध स्वयं कहीं प्रतिबद्ध नहीं हुए और न तो अपने शिष्यों को उन्होंने कहीं बांधा। उन्होंने कहा कि मेरी बात को भी इसलिए चुपचाप न मान लो कि उसे बुद्ध ने कही है। उस पर भी सन्देह करो और विविध परीक्षाओं द्वारा उसकी परीक्षा करो। जीवन की कसौटी पर उन्हें परखो, अपने अनुभवों से मिलान करो, यदि तुम्हें सही जान पडे तो स्वीकार करो, अन्यथा छोड दो। यही कारण था कि उनका धर्म रहस्याडम्बरों से मुक्त, मानवीय संवेदनाओं से ओतप्रोत एवं हदय को सीधे स्पर्श करता था। संसार में केवल गौतम बुद्ध का सिद्धांत ही ऐसा है तो हर युग में हर परिस्थिथि में एक सा ही लाभकारी है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बौध धम्म में ऐसा कुछ भी स्वीकार नहीं होता जिसका प्रमाण उपलब्ध न हो, यही बौध धम्म का सार है।

हनुमान कवच में है अपार शक्ति

श्री हनुमान कवच अपने आप में भगवान की शक्ति रखता है जिसके प्रभाव से बुराइयों पर जीत पाई जा सकती है। हनुमान भक्त इस कवच की असीम शक्ति को जानते है।

इस कवच की शक्ति को मन को एकाग्र: करके असीम साधना से जगाया जा सकता है। यह कहा जाता है की यह महावीर हनुमान का शक्तिग्रह है।

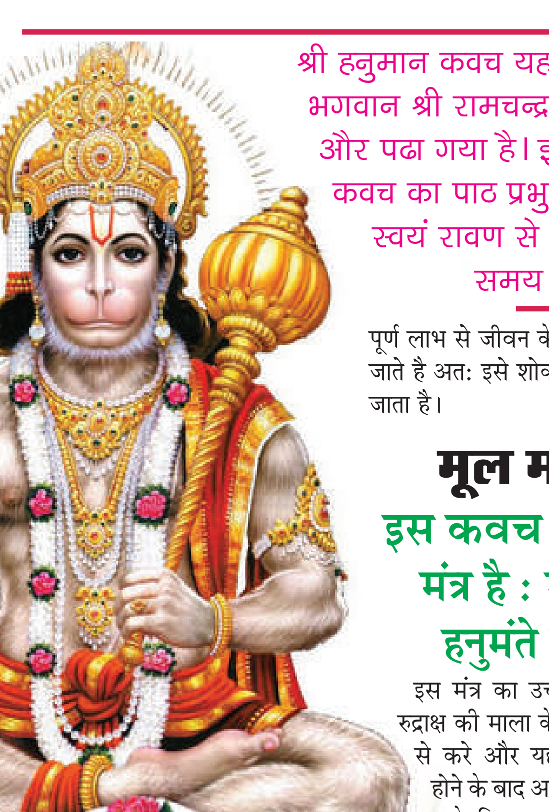

श्री हनुमान कवच यह कवच स्वं भगवान श्री रामचन्द्र द्वारा रचा और पढा गया है। इस हनुमत कवच का पाठ प्रभु श्रीराम ने स्वयं रावण से युद्ध करते समय किया था।

हनुमान कवच से लाभ :

इस कवच से भूत, प्रेत , चांडाल , राक्षश व अन्य बुरी आत्माओं से बचाव किया जा सकता है । यह कवच आपको टोनो टोटको से बचाता है और आपकी रक्षा करता है। काला जादू इस पर पूरी तरह पराजित हो जाता है। इस कवच का पूर्ण लाभ से जीवन के शोक मिट जाते है अत: इसे शोकनाशं भी पुकारा जाता है।

मूल मंत्र :

इस कवच का मूल मंत्र है : ॐ श्री हनुमंते नम:

इस मंत्र का उच्चारण 108 बार रुद्राक्ष की माला के साथ सच्चे मन से करे और यह उपासना संपन्न होने के बाद अपने शोक निवारण के लिए हनुमानजी से विनती करे । इसके बाद हनुमानजी को चमेली का तेल और सिंदूर चढावे। साथ में यदि हनुमानजी को चोला और जनेऊ पहना सके तो और भी उत्तम है।

भगवान महावीर स्वामी के अनमोल विचार

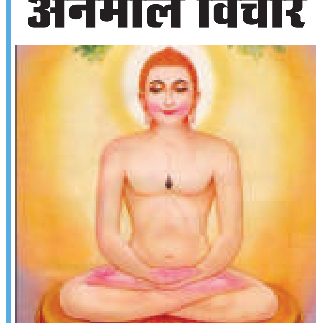

किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। ईसा से 599 वर्ष पहले वैशाली गणतंत्र के क्षत्रिय कुण्डलपुर में पिता सिद्धार्थ और माता त्रिशला के यहाँ तीसरी संतान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को इनका जन्म हुआ। इनका बचपन का नाम 'वर्धमान' था।

यदि कभी किसी का भला किया हो तो उसे भूल जाओ। और कभी किसी ने आपका बुरा किया हो तो उसे भूल जाओ। किसी के अस्तित्व को मत मिटाओ। शांतिपूर्वक जियो और दूसरों को भी जीने दो। स्वयं से लडो, बाहरी दुश्मन से क्या लडना। जो स्वयं पर विजय कर लेगा उसे आनंद की प्राप्ति होगी। असली शत्रु आपके भीतर रहते हैं, वो शत्रु हैं क्रोध, घमंड, लालच, आसक्ति और नफरत। खुद पर विजय प्राप्त करना लाखों शत्रुओं पर विजय पाने से बेहतर है। किसी आत्मा की सबसे बडी गलती अपने असली रूप को न पहचानना है, और यह केवल आत्म ज्ञान प्राप्त कर के ठीक की जा सकती है।

स्वास्तिक शब्द का मतलब है सौभाग्य

संस्कृत में स्वास्तिक शब्द का मतलब सौभाग्य है। स्वास्तिक को विश्व के कई देशों में अलग-अलग नामों से पहचाना जाता है। इन देशों के लिए स्वास्तिक के चिन्ह का अपना एक अलग अर्थ और महत्व रहा है।

वहीं भारत में इस चिन्ह को भगवान गणेश और लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है कि यहां किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने से पहले इसे पूजा की जगह पर चिन्हित किया जाता है। चार हजार साल पहले सिंधु घाटी की सभ्यता में भी स्वास्तिक के प्रमाण मिलते हैं।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्वास्तिक उत्तर, पश्चिम, पूर्व, दक्षिण दिशाओं का प्रतीक है। लेकिन लंबे समय से सौभाग्य का प्रतीक रहे स्वास्तिक के चिन्ह को उस समय खौफ और नफरत का प्रतीक माना जाने लगा जब इस चिन्ह को हिटलर ने अपना लिया था।

पूर्वी यूरोप

यूरोप के शुरुआती दौर में स्वास्तिक का प्रयोग एक पवित्र चिन्ह के रूप में किया जाता था। वास्तव में इसका संबंध सबसे शाक्तिशाली नॉर्स देवता, 'थॉर' से है। यह माना जाता है कि उनके प्रसिद्ध हथौडे के पीछे 'स्वास्तिक' का चिन्ह बना था।

ग्रीस

प्राचीन ग्रीस का एक चिन्ह स्वास्तिक जैसा ही दिखता है, जिसे Gammadion कहते हैं। ये चिन्ह वहां की वर्णमाला के उन चार कैपिटल शब्दों से मिलता-जुलता है, जो 'कॉमन सेंटर' को जोडते हैं।

प्रारंभिक ईसाई समुदाय

अपने प्रारंभिक दौर में क्रिश्चन स्वास्तिक का प्रयोग क्राइस्ट के चिन्ह के रूप में करते थे।

ये जीसेस के क्रॉस का प्रतिनिधित्व करता था। और जब रोमन द्वारा क्रिश्चन्स को सताया जा रहा था, उस दौरान भी इस चिन्ह का प्रयोग रोजाना किया जाता था। यहां तक कि पादरियों ने भी अपनी पोशाक पर 'स्वास्तिक' के चिन्ह को बना रखा था।

फिनलैंड

हजारों सालों से फिनलैंड में स्वास्तिक को एक अच्छी तकदीर का चिन्ह माना जाता है। ये चिन्ह फिनलैंड की संस्कृति और इतिहास के एक बडे हिस्से में समाया है। और तो और 'स्वास्तिक के सीधे खडे' स्वरूप को सदियों से गहनों और कपडों पर इस्तेमाल किया जाता रहा है।

तिब्बत

स्वास्तिक 'लौकिक ऊर्जा' के एक रूप का नाम है, जिसे Fohat का प्रतीक माना जाता है। मैडम हेलेना ने स्वास्तिक को कुछ इस तरह से परिभाषित किया है, 'असल में, स्वास्तिक एक अत्यंत शाक्तिशाली जीवन से जुडा है जो व्यवस्था के प्रति एक भरोसा स्थापित करता है।

हिन्दू समुदाय

हिन्दू धर्म में किसी भी शुभ कार्य में स्वास्तिक का प्रयोग अलग-अलग तरीके से किया जाता है। चाहे वह शादी हो, बच्चे का मुंडन या कोई भी छोटी या बडी पूजा। स्वास्तिक शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द स्वास्तिका से हुई है।जिसका अर्थ है 'कुछ अच्छा होने वाला है'। स्वास्तिक हिन्दू देवता गणेश और देवी लक्ष्मी का भी चिन्ह माना जाता है।

अमेरिकी

अमेरिका के मूल निवासी अपनी संस्कृति में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का चिन्ह मानते हैं। Navajo जनजाति के लोग इसके डिजाइन को चांदी के आभूषणों से लेकर अपनी कई चीजों का हिस्सा बनाते हैं, जिसे चारों दिशाओं का प्रतीक माना जाता है।

ब्रिटिश साहित्य

ब्रिटिश रचनाकार ने स्वास्तिक का प्रयोग अपनी किताबों पर एक मुहर के रूप में किया था। उन्होंने अपनी किताबों से इस चिन्ह को तब हटा दिया, जब नाजी ने इसे अपना लिया था।

धार्मिक आंदोलन

रायल नामक वैश्विक व मशहूर व्यक्ति ने स्वास्तिक और डेविड के सितारे दोनों को सांस्कृतिक रूप से अधिग्रहित किया। रायल में विश्वास रखने वालों का ऐसा मानना है कि डेविड के तारे अंतरिक्ष में शून्य का प्रतिनिधित्व करते हैं तो वहीं स्वास्तिक काल और समय के शून्य का द्योतक है।

यह एक बेहद नया आंदोलन था और स्वास्तिक के इस्तेमाल की वजह से इस ग्रुप को काफी आलोचनाओं का सामना भी करना पडा।

बौद्ध समुदाय

बौद्ध धर्म में स्वास्तिक को अच्छे भाग्य का प्रतीक माना गया है। यह भगवान बुद्धा के पद्चिन्हों को दिखाता है, इसीलिए इसे इतना पवित्र माना जाता है। यहां तक कि स्वास्तिक भगवान बुद्धा के हृदय, हथेली और पैरों में भी अंकित था।

अच्छा सोचें और सिर दर्द घटाएं

सरदर्द, आज की जीवनशैली में होने वाली सबसे आम समस्या है और इसका कारण तनाव से लेकर माइग्रेन तक हो सकता है। तनाव की स्थिति में गर्दन की मांस पेशियों में सिकुड़न हो जाती है। शायद आपको यह आश्चर्यजनक लगे कि, अपनी प्रतिदिन की दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव लाकर आप सरदर्द से बच सकते हैं। अगर आपके सरदर्द का कारण भी तनाव है, तो तनाव का मुकाबला करना सीखें।

बच्चों के साथ हो दोस्ती

सोशल नेटवर्किंग साइट पर भी अपने बच्चों से हमेशा जुड़े रहिए, इससे आप उनकी हर वक्त की गतिविधि के बारे में जानकारी ले सकेंगे। इसके लिए अपने बच्चे के साथ दोस्ती कीजिए, उनकी फ्रेंडलिस्ट में खुद को शामिल कीजिए, और उनके हर वक्त के अपडेट से अवगत होते रहिए।

त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद हैं भिंडी!

भिंडी हरी सब्जियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह सेहत के लिए बहुत लाभदायिक होती है। भिंडी को खाने के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। आप इसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह भी इस्तेमाल कर सकते है। आप भिंडी का इस्तेमाल करके खूबसूरत दिख सकती है। ज्यादा देर तक धूप में रहने से हमारी स्किन काली हो जाती है। इससे छुटकारा पाने के लिए आप भिंडी का मास्क बना कर लगा सकते है।

अंगुलियां चटकाना हो सकता है नुकसानदायक

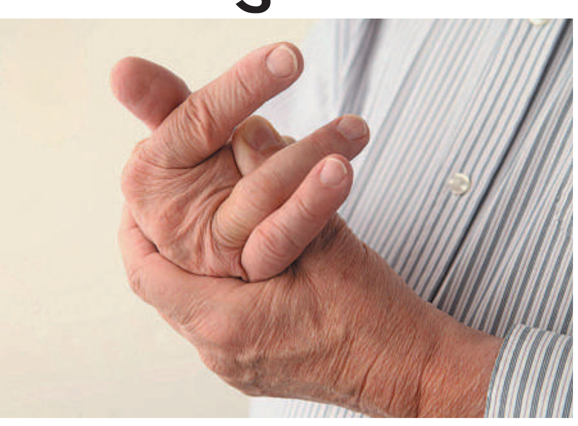

उंगुलियां चटकाने से उंगुलियां के आसपास के मसल्स को काफी आराम मिलता है इसलिए उंगुलियां चटकाने की आदत हर दूसरे इंसान को होती है। जबकि ये आदत गठिया जैसे रोग को जन्म दोती है। अगर आपको भी है ये आदत तो इस तरह से छुड़ाएं अपनी ये आदत।

कैसे चटकती हैं उंगुलियां

ऑफिस में बैठे-बैठे या कुछ पढ़ते व लिखते वक्त आप अपने आप उंगुलियों को फोड़ने या चटकाने लगते हैं। ऐसा अमूमन हर दूसरा इंसान करता है। उंगुलियों के चटकने के बाद हाथों को काफी आराम मिलता है जिस कारण लोग और अधिक उंगुलियां चटकाने लगते हैं। कई लोग तो गर्दन की हड्डियां भी सुबह-सुबह उठकर चटकाते हैं। जबकि इस तरह से हड्डियों को या उंगुलियों को चटकाना काफी नुकसानदेह होता है। तो आइए आज हम जानते हैं, उंगुली चटकाने से होने वाले नुकसान और इसे छोड़ने के तरीके।

गठिया का रोग

उंगुलियां चटकाने से गठिया जैसी खतरनाक बीमारी होती है। एक रिपोर्ट के अनुसार उंगलियों की हड्डियों को चटकाना गठिया रोग का कारण बनता है। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारी हड्डियां लिगामेंट से एक दूसरे से जुड़ी होती हैं जिसे जोड़ कहते हैं। इन जोड़ों के बीच एक द्रव होता है जो उंगुलियों के चटकने के दौरान कम हो जाता है। ये द्रव जोड़ों में ग्रीस के समान होता है जो हड्डियों को आपस मे रगड़ खाने से रोकता है। ऐसे में बार-बार उंगुलियों के चटकने से जोड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। साथ ही हड्डियों के जोड़ पर मौजूद ऊतक भी नष्ट हो जाते हैं जिससे गठिया जैसे रोग हो जाते हैं।

इस कारण पड़ती है ये आदत

लगभग हर इंसान को ये आदत होती है। जबकि इस आदत के बारे में कोई किसी को सिखाता भी नहीं है। तो ऐसे में सवाल उठता है कि ये आदत कैसे पड़ती है? दरअसल उंगलियों को चटकाने से जोड़ों के आसपास की मसल्स और हाथों को आराम मिलता है। इसलिए लोग लिखते-पढ़ते या ऑफिस व अन्य जगह में बैठे-बैठे ही उंगलियां चटकाने लगते हैं क्योंकि ऐसा करने से उन्हें आराम मिल जाता है।

इस तरह से रोकें

उंगुलियां चटकाना उंगलियों की हड्डियों के जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है। ऐसे में इस आदत को रोकना बहुत जरूरी है। इस आदत को रोकने के लिए ध्यान दें। जब भी आप पढ़ते या लिखने या काम करते वक्त ऐसा करते हैं तो उस वक्त खुद पर फोकस करें। अगर आप कभी गलती से उंगुलियां चटकाने लगते हैं तो तुरंत छोड़ दें। चाहे उंगुलियां कितनी भी दर्द दे रही हों।

हाथों को व्यस्त रखें

उंगुलियां चटकाने से खुद को रोकने के लिए अपने हाथों को वयस्त रखें। क्योंकि कई बार लोग खाली वक्त में मेट्रो या बस में बैठे-बैठे भी उंगुलियां चटकाने लगते हैं। तो ऐसी स्थिति में अपनी उंगुलियां चटकाने के बजाय पेंसिल या सिक्के से खेलना शुरू करें। या फिर ऑफिस में बैठे-बैठे ऐसा करते हैं तो उस समय कुछ लिखने लगें या ड्राइंग बनाने लगें।

शिशु को दर्द दिए बिना हटाएं त्वचा के रोएं

यह बिल्कुल सच है कि एक मां अपने बच्चे के स्वास्थ्य और उसके सौंदर्य को लेकर काफी चिंतित रहती है। शिशुओं के चेहरे और शरीर पर अत्यधिक रोएं या बाल उनकी सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन नवजात शिशु के चेहरे और शरीर पर रोएं आनुवंशिक कारणों से पहले से ही निर्धारित होते हैं, इन्हें हटाने के लिए ज्यादा कुछ करना खतरनाक साबित हो सकता है लेकिन इसके लिए कुछ घरेलू उपाए अपना सकते हैं,

उबटन है मददगार

आमतौर पर घर के बड़े-बुजुर्ग बाल हटाने के लिए पारंपरिक घरेलू उपचार आजमाने का सुझाव देते हैं, जो कि काफी मददगार होता है। कुछ लोग मानते हैं कि बेसन और हल्दी से बना उबटन या फिर आटे, कच्चे दूध और गुलाब जल का लेप भी रोएं हटाने में मदद करता है। हालांकि ये घरेलू नुस्खे काफी प्रचलित हैं। लेकिन इसका बैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। इसमें यह ध्यान रखने की जरूरत है कि कच्चे दूध में ई-कॉली और साल्मोनेला जैसे जीवाणु हो सकते हैं, जो कि आपके शिशु को दस्त (डायरिया) और पेचिश जैसी बीमारियां पैदा कर सकते हैं।

ऑलिव ऑयल है खास

ऑलिव ऑयल नवजात शिशु की त्वचा और उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में बहुत ही खास भूमिका अदा करता है, लेकिन इसकी एक और खूबी है। यदि नवजात शिशु को प्रतिदिन सुबह और शाम ऑलिव ऑयल की मालिस की जाए तो चेहरे और शरीर के रोएं को कम किया जा सकता है। यह त्वचा की सुंदरता के लिए भी खास है।

गेहूं और चने का आटा

जिन आटों की हम घर में रोटियां बनाकर खाते हैं, उनका प्रयोग नवजात शिशु के शरीर के रोंए हटाने में कर सकते हैं। इसके लिए गेहूं और चने का आटा को बराबर मात्रा में पानी के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु की त्वचा पर हल्के हाथों से धीरे-धीरे रगड़ें। जन्म के एक से चार महीनों के बीच इसका फायदा दिखने लगेगा।

मसूर दाल व बदाम का पेस्ट

अपने नवजात शिशुओं की त्वचा के रोएं हटाने के लिए एक बहुत ही आसान तरीका है। मसूर की दाल और बदाम का पेस्ट बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसके लिए दाल और बादाम को बराबर मात्रा में दूध के साथ पेस्ट बना लें, इसके बाद उसे शिशु को मालिश कर सकती हैं। इन घरेलू उपायों के बाद भी अगर त्वचा के काले और बड़े बालों से निजात नही मिल रहा है तो इसके लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

चिरौंजी है गुणकारी

नवजात शिशु की त्वचा से रोएं हटाने के लिए चिरौंजी बहुत ही गुणकारी होता है। एक कप चिरौंजी को रात में सोने से पहले पानी में भिगो दें। सुबह तक चिरौंजी फूल जाएगी, जिसे मिक्सर से पीस लें। इसके बाद हल्के हाथों से अपने शिशु के शरीर पर लगाएं। प्रतिदिन करने से थोड़े ही दिनों में इसका लाभ दिखने लगेगा।

इस तरह करें प्लास्टिक चावल की पहचान...

कहीं आप भी तो नहीं खा रहे प्लास्टिक चावल? चीन से आने वाला यह प्लास्टिक चावल दिखने में बिल्कुल असली चावल की तरह ही दिखाई देता है। और तो और पकने के बाद भी आप प्लास्टिक चावल और असली चावल में फर्क नहीं कर सकते। असली चावल के साथ मिलाकर बाजारों में बिकने वाला यह चावल, असली चावल में इस कदर मिल जाता है, कि आप इसके रूप, रंग, आकार और यहां तक कि स्वाद में भी फर्क नहीं कर पाएंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस चावल को खाने से आप कैंसर जैसी भयानक बीमारी के शिकार हो सकते हैं। लेकिन उससे भी पहले आप शिकार हो सकते हैं, पेट की बीमारियों के...। एक कटोरी प्लास्टिक चावल, एक बैग पॉलीथिन के बराबर होता है। जरा सोचिए.... प्लास्टिक या पॉलीथिन को खाने के बाद, पेट की क्या हालत होगी ? यह ना तो पचता है, और ना ही सड़ता है।

प्लास्टिक चावल के इन सभी दुष्परिणामों से बचने के लिए इस चावल की पहचान करना बेहद आवश्यक है। अब सवाल यह उठता है, कि प्लास्टिक चावल की पहचान कैसे करें ..। हम आपको बता रहें हैं, कि आखिर कैसे पहचानें प्लास्टिक चावल को। ऐसे करें पहचान -

1. **चमक**- जब आप चावल को ध्यान से देखेंगे तो पाएंगे प्लास्टिक के चावल असली चावल की तुलना में ज्यादा चमकीला नजर आता है।
2. **आकार**- अगर दो तरह के नकली चावलों को एक साथ मिलकर देखेंगें, तो सारे चावलों की मोटाई और आकार, एक जैसा ही दिखाई देगा।
3. **वजन**- नकली चावल का वजन असली की तुलना में हल्का होता है, इसीलिए तौलने पर नकली चावल की मात्रा अधिक होगी।
4. **भूसी** - नकली चावल बिल्कुल साफ सुथरा होगा, जबकि असली चावल में कहीं न कहीं धान की भूसी मिल ही जाएगी।

बर्तनों से दूर होगी आयरन की कमी

शास्त्रों में भी लोहे की बर्तनों में खाना बनाने की सलाह दी जाती है। इसकी वजह ये है कि खाना पकाते वक्त कढ़ाई से लोहे का कुछ अंश भोजन में मिल जाता है जिससे खाने में पर्याप्त मात्रा में आयरन मिल जाता है। अगर शरीर में हीमोग्लोबीन की कमी हो तो लोहे के बर्तनों में बना खाना खाने से फायदा पहुंचता है। लेकिन लोहे के बर्तनों में खाना बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। रोज इन बर्तनों में खाना बनाने से बचना चाहिए। हफ्ते में केवल एक या दो बार ही पकाएं। खट्टी या फिर एसिड वाली चीजों को इसमे पकाने से बचें। कढ़ी, रसम, सांभर या फिर ऐसी चीजें जिसमें टमाटर का प्रयोग होता हो। लोहे के बर्तनों को धोने के बाद तुरंत तेल की हल्की सी परत लगा दें जिससे जंग ना लगे। मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने से 100 प्रतिशत तक पोषक तत्व खाने में बने रहते हैं और इसके साथ मिट्टी के अपने गुण और पोषक तत्व भी इसमें समा जाते हैं, जिससे भोजन में मौजूद गुण कई गुना बढ़ जाते हैं। लंबे समय से लोग तांबे के बर्तन में पानी पीते आ रहे हैं। कई लोग रात को तांबे के बर्तन में पानी भरकर सुबह पीते हैं इससे पेट की सभी बीमारियां दूर होती हैं। स्टेनलेस स्टील के बर्तन अच्छे, सुरक्षित और किफायती विकल्प हैं। इन्हें साफ करना भी बहुत आसान है। लेकिन अगर सेहत को लेकर ज्यादा सजग हैं तो स्टील के बर्तन कम उपयोग में लाएं।

श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि की परेशानियों से मिलेगी निजात

मत्स्यासन दिलाएगा बीमारियों से छुटकारा

योगा एक ऐसी चीज है जिसे यदि रोज किया जाए तो तमाम बीमारियों से शरीर को मुक्त रखा जा सकता है। आजकल योगा का क्रेज युवाओं में बढ़ता जा रहा है। मत्स्यासन अकेला ऐसा आसन है, जिसे विधिवत करके अनेक बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। अगर इस आसन का अभ्यास सर्वांगासन के बाद किया जाए तो दोनों आसनों का लाभ दोगुना हो जाता है।

आसन की विधि

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले दरी बिछाकर जमीन पर बैठ जाइए। फिर पद्मासन लगाइए। कुहनी का सहारा लेते हुए जमीन पर लेट जाइए। पीछे से सिर के पास हथेली लगाकर सिर को ऊपर उठाकर सिर को इस प्रकार जमीन पर टिकाना चाहिए कि गर्दन, छाती और पीठ अधिक से अधिक ऊपर की तरफ उभरी रहे। शरीर का भार सिर्फ पैरों और सिर पर टिका रहना चाहिए। हाथों से पैरों के अंगूठों को पकड़ लें। दोनों घुटने जमीन से सटे रहेंगे। श्वास-प्रश्वास सामान्य रहेगी। इस क्षमता के अनुसार आसन का अभ्यास 1 से 5 मिनट तक करें। वापस आते समय सबसे पहले हथेली का सहारा लेकर गर्दन को सामान्य अवस्था में लाएं फिर कुहनी का सहारा लेते हुए धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आएं। जल्दबाजी न करें। प्रारंभ में अधिकांश लोगों को मत्स्यासन में कठिनाई होती है, इसलिए पहले बैठकर पद्मासन का अभ्यास करना चाहिए और इसके बाद मत्स्यासन का अभ्यास करना चाहिए।

...तो ये हैं आसन के लाभ

पाचन संस्थान, आमाशय, यकृत, गुर्दे और फेफड़ों पर प्रभाव डालकर इन अंगों से संबंधित रोगों में यह आसन चमत्कारिक लाभ देता है। इस आसन से फेफड़े, श्वसन नलिका और स्वर ग्रंथि के विकार दूर होते हैं। फेफड़े में अतिरिक्त हवा भरने से उनके बंद कोष खुल जाते हैं। यह आसन दमा, क्षय व अन्य श्वसन संस्थान के रोगों में लाभ प्रदान करता है। सर्वांगासन के बाद यह आसन किया जाएं तो सर्वांगासन के दौरान गर्दन और ग्रीवामणि की पेशियों में जो तनाव आता है, वह दूर हो जाता है। यह आसन मेरु दंड और पीठ दर्द के रोगों के लिए भी लाभकारी है। गैस्ट्रिक, गले से संबंधित रोग, उच्च रक्तचाप, हाइपो थॉयरोडिज्म आदि में भी उपयोगी है।

बैकिंग के स्वाद में छिपा बेहतर भविष्य

बैकिंग दुनिया के सबसे पुराने व्यवसायों में से एक है, लेकिन समय के साथ इसके स्वरूप व तकनीक में काफी परिवर्तन आया है। आजकल पूरी दुनिया में लोग बेक की हुई चीजों का बहुत बड़े स्तर पर प्रयोग करते हैं। ऐसे में एक प्रोफेशनल बेकर की डिमांड भी काफी बढ़ी है। यदि आपको भी खाना बनाना पसंद है तो आप एक बेकर के रूप में अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्रिएटिव होना भी जरूरी...

एक बेकर के लिए बेहद जरूरी है कि उसे भोजन व उससे संबंधित सामग्री से बेहद प्यार हो। इसके अतिरिक्त वह बेकरी प्रॉडक्ट्स और उसकी सामग्री से परिचित हो। उसे सिर्फ खाना पकाना ही नहीं आता हो बल्कि अपनी क्रिएटिविटी के बलबूते वह उसे एक नया रूप देने में सक्षम हो।

स्किल्स...

वैसे तो इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी विशेष योग्यता की आवश्यकता नहीं है बस आपको बैकिंग, आइसिंग व डैकोरेटिंग की जानकारी होनी चाहिए, लेकिन अगर आप चाहें तो अपने स्किल्स में निखार लाने के लिए बेकिंग व कन्फैक्शनरी में शॉर्ट टर्म या डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं। इस कोर्स की अवधि 4 से 6 महीने हो सकती है तथा आप 10वीं व 12वीं के बाद यह कोर्स आसानी से कर सकते हैं। कोर्स के दौरान छात्रों को न्यूट्रिशन, फूड सर्विस, बैकिंग के सिद्धांतों, सैनिटेशन, बैकिंग के दौरान काम आने वाली मशीनरी को चलाने आदि के बारे में विस्तार से समझाया जाता है। कोर्स में छात्रों को बैकिंग की बेसिक जानकारी के साथ-साथ एडवांस ट्रेनिंग दी जाती है। इसमें उन्हें इंडस्ट्रीयल इक्विपमेंट के जरिए सारी सामग्री को मिक्स करना व बेक करना सिखाया जाता है।

अपॉर्चुनिटी...

आप इस क्षेत्र में किसी होटल, बेकरी शॉप, केटरर आदि के जरिए कदम रख सकते हैं। वैसे आप बेकरी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी के साथ भी जुड़ सकते हैं। आप खुद की बेकरी शॉप भी खोल सकते हैं। यदि आपके अंदर बेकिंग का हुनर लाजवाब है तो आप विदेश में भी नौकरी तलाश सकते हैं।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी, नोएडा
- एलबीआईआई एचएम, पीतमपुरा, दिल्ली
- दिल्ली पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, दिल्ली

रेसिपी

कन्द वेफर

सामग्री

2 कप छिले और पतले कटे हुए कन्द
1 टी-स्पून तेल
2 टी-स्पून ताजी पिसी हुई कालीमिर्च
सेंधा नमक , स्वादअनुसार

विधि

माइक्रोवेव सुरक्षित प्लेट में बटर पेपर रखें और ½ कप कंद के टुकड़ो को फैला दें। टुकड़ो के बीच उपयुक्त स्थान रखें और उन्हें एक के उपर ना रखें। 4 मिनट तक माईक्रोवेव पर हाई (पुरे तापमान) पर, बीच में तीन बार पलटते हुए पकाएं। दोनों हाथों पर ¼ टी-स्पून तेल चुपड़े, सेंधा नमक और ¼ टी-स्पून कालीमिर्च को कन्द वेफर पर छिड़के और हाथों से अच्छी तरह से मिलाएं। शेष बची सामग्रीयों से 3 और हिस्से बनाएं। पुरी तरह से ठंडा कर हवा-बन्द डब्बे में संचय करें।

करीवेपिल्लई पोड़ी

सामग्री

1 कप कड़ी पत्ता, 2 टी-स्पून नारियल का तेल/अन्य तेल, 2 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टेबल-स्पून चना दाल, 1 टेबल-स्पून उड़द दाल, 1 टी-स्पून काली मिर्च, 2 टी-स्पून ज़ीरा, 1 टी-स्पून सरसों, 1 टी-स्पून तिल, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1/2 कप सूखा कसा नारियल, 1 टेबल-स्पून कटी हुई इमली, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ गुड़, नमक स्वादअनुसार

विधि

एक छोटा पैन गरम करें, कड़ी पत्ता डालकर, धीमी आंच पर 3-4 मिनट के लिए लगातार हिलाते हुए भून लें। निकालकर एक तरफ रख दें। एक छोटे पैन में तेल गरम करें, खड़ा धनिया, चना दाल, उड़द दाल, काली मिर्च, जीरा, सरसों, तिल, लाल मिर्च और नारियल डालकर धीमी आंच पर लगातार हिलाते हुए 5 मिनट के लिए भून लें। ठंडा करने के बाद, कड़ीपत्ता, इमली, गुड़ और नमक डालकर, मिक्सर में पीसकर मुलायम पाउडर बना लें। हवा बन्द डब्बे में रखकर जरुरत अनुसार प्रयोग करें।

संपादकीय

आरक्षण हक नहीं, व्यवस्था है

भारत में आरक्षण की व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह राजनीति और चुनाव का 'अमोघ अस्त्र' बन चुका है। संविधान में भी अनुच्छेद 340, 341 में उल्लेख है कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों को खत्म करने और कुछ समुदायों को समानता की मुख्यधारा में लाने को आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था आजादी और संविधान लागू होने के बाद सिर्फ 10 सालों के लिए थी, लेकिन 79 साल की आजादी के बाद भी जारी है और उसे निरंतर जारी रखना सरकारों की विवशता भी है। आरक्षण संवैधानिक अधिकार नहीं है, मौलिक अधिकार भी नहीं है, सिर्फ एक व्यवस्था है, जिसे बढ़ाया जाता रहा है। अनुच्छेद 15 और 16 में आरक्षण की शक्ति राज्य को दी गई है, लेकिन सर्वोच्च अदालत यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक व्यवस्था है। संविधान में आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई, इसका जवाब हम नहीं दे सकते। क्या ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, भूमिहार आदि सवर्ण वर्ग 'गरीब' नहीं हैं? हमारे पुरखों ने यह कल्पना क्यों नहीं की? क्या उस समय देश में कोई भी सवर्ण 'कमजोर' नहीं था? ये सवाल निरंतर अनुत्तरित रहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण संसद से पारित कराया था, जिसे सर्वोच्च अदालत ने भी 'न्यायिक' माना, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दरअसल छिद्र और विसंगतियां आरक्षण की व्यवस्था में हैं। उस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने 'क्रीमी लेयर' का फैसला सुनाया था। 'क्रीमी लेयर' की आय-सीमा 8 लाख रुपए सालाना तय है। उससे अधिक आय वाले आरक्षित वर्गों के बच्चों को आरक्षण नहीं मिलेगा। लेकिन यह न्यायिक व्यवस्था पूरी तरह लागू नहीं है। हम ऐसे कई परिवारों को जानते हैं, जिनमें पीढ़ी-दर-पीढ़ी आईएएस, आईपीएस अधिकारी हैं। उनके परिवारों को आरक्षण क्यों चाहिए? या क्यों दिया जाना चाहिए? लोकसभा में 131 सांसद 'आरक्षित' हैं। अनुसूचित जाति के 84 और जनजाति के 47 सांसद हैं। राज्यों की विधानसभाओं में भी सैकड़ों आरक्षित विधायक हैं। मंत्री, राज्यमंत्री और अन्य पदों पर भी आरक्षित चेहरे हैं। यदि राष्ट्रीय स्तर के चेहरों का उल्लेख करें, तो बसपा प्रमुख एवं उप्र की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती, लोकसभा सांसद एवं उप्र के ही पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और रामदास अठावले आदि के परिवारों और बच्चों को आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? पासवान परिवार में रामविलास पासवान (अब दिवंगत) के समय से भाई, भतीजा, दामाद सभी सत्ता में रहे अथवा सांसद-विधायक रहे। आखिर सामाजिक पिछड़ेपन, विषमताओं से उबरने का मापदंड क्या है? यह सरकारों ने तय नहीं किया और सर्वोच्च अदालत ने भी कोई फैसला नहीं सुनाया। राजनीति और सरकारें तो आरक्षण के सामने नतमस्तक हैं, बंधक बनी हैं। 'क्रीमी लेयर' की परवाह कौन करता है? आप शिक्षित हैं, आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं, सामाजिक रुतबा भी है, विषमताओं से बाहर आने का और क्या आधार होना चाहिए? हम यह विश्लेषण इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि सवर्ण युवाओं ने 'जंतर-मंतर' पर प्रदर्शन किया था। उन्होंने यह मुद्दा उठाते हुए आरक्षण की समीक्षा करने, उसमें सुधार करने की मांग की है। वे खुद को 'संवैधानिक अछूत' मान रहे हैं। यह नौबत क्यों आई? वे भी 'जेन-जी' के चेहरे हैं। वे प्रतिभाशाली हैं, अच्छे अंकों से परीक्षाएं पास कर रहे हैं, लेकिन उनकी सामान्य श्रेणी की इतनी रिक्तियां नहीं हैं कि उन्हें नौकरी मिल सके। आरक्षण का मुद्दा उठा है, तो केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान जैसे नेतागण इस मुद्दे पर विमर्श को ही तैयार नहीं हैं। आरक्षण को संवैधानिक अधिकार करार दे रहे हैं। विपक्ष ने एक बार फिर नेरेटिव गढना शुरू कर दिया है कि भाजपा-संघ आरक्षण के साथ-साथ संविधान को भी खत्म करना चाहते हैं। यही नेरेटिव 2024 के लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल किया गया था। गृहमंत्री अमित शाह संसद में वक्तव्य दे चुके हैं कि यदि बाबा अंबेडकर भी आज आ जाएं, तो भी आरक्षण खत्म नहीं होगा। समीक्षा में क्या दिक्कत है? सवर्ण भी देश के नागरिक हैं।

संविधान में भी अनुच्छेद 340, 341 में उल्लेख है कि सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक विषमताओं, विसंगतियों को खत्म करने और कुछ समुदायों को समानता की मुख्यधारा में लाने को आरक्षण की व्यवस्था लागू की गई है। यह व्यवस्था आजादी और संविधान लागू होने के बाद सिर्फ 10 सालों के लिए थी, लेकिन 79 साल की आजादी के बाद भी जारी है और उसे निरंतर जारी रखना सरकारों की विवशता भी है। आरक्षण संवैधानिक अधिकार नहीं है, मौलिक अधिकार भी नहीं है, सिर्फ एक व्यवस्था है, जिसे बढ़ाया जाता रहा है। अनुच्छेद 15 और 16 में आरक्षण की शक्ति राज्य को दी गई है, लेकिन सर्वोच्च अदालत यह भी स्पष्ट कर चुकी है कि आरक्षण मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक व्यवस्था है। संविधान में आर्थिक रूप से गरीब, कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था क्यों नहीं की गई, इसका जवाब हम नहीं दे सकते। क्या ब्राह्मण, वैश्य, क्षत्रिय, भूमिहार आदि सवर्ण वर्ग 'गरीब' नहीं हैं? हमारे पुरखों ने यह कल्पना क्यों नहीं की? क्या उस समय देश में कोई भी सवर्ण 'कमजोर' नहीं था? ये सवाल निरंतर अनुत्तरित रहेंगे। हालांकि प्रधानमंत्री मोदी ने आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों के लिए 10 फीसदी का आरक्षण संसद से पारित कराया था, जिसे सर्वोच्च अदालत ने भी 'न्यायिक' माना, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। दरअसल छिद्र और विसंगतियां आरक्षण की व्यवस्था में हैं। उस संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने 'क्रीमी लेयर' का फैसला सुनाया था। 'क्रीमी लेयर' की आय-सीमा 8 लाख रुपए सालाना तय है। उससे अधिक आय वाले आरक्षित वर्गों के बच्चों को आरक्षण नहीं मिलेगा।

कुछ अलग

जीव मालामाल प्रदूषण कमाल

गए वे दिन जब मैं स्वच्छ जल पीया करता था। अब तो मैं प्रदूषित जल से अपनी प्यास मजे से बुझाता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ आकाश को रातों निहारा करता था। अब तो मैं प्रदूषित आकाश को देख मन के सपने बुझाता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ वायु में सांस लिया करता था। अब तो मैं प्रदूषित वायु में मजे से सांस लेता हूं। गए वे दिन जब मैं स्वच्छ आटा, दाल, सब्जियां खाया करता था। अब तो मैं प्रदूषित आटा, दाल, सब्जियां आंखें मूंद खा पचा लेता हूं। लगता है जैसे अब प्रदूषित अन्न, जल, वायु के बिना अपना जीना मुश्किल हो जाएगा। पहाड़ों से ऊंचे कचरे के पहाड़ों को निहारते निहारते मत पूछो अब मन कितना आनंदित नहीं, परमानंदित होता है। मेरे अचार प्रदूषित हैं, अब मेरे विचार प्रदूषित हैं। मेरे संस्कार प्रदूषित हैं, बट लाइफ हैप्पी हैप्पी है। मेरे हर प्रकार प्रदूषित हैं, बट लाइफ हैप्पी हैप्पी है।

वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है

चीनी की मिठास पर महंगाई की कड़वाहट

मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाज़ी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नज़र डालना बेहद ज़रूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें ₹42-45 से बढ़कर ₹62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज़ एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है

भारत में त्योहारों का मौसम न केवल साल का एक खास समय होता है, बल्कि जीवन का भी एक अहम हिस्सा होता है। मिठाइयाँ, पारंपरिक भोजन, धार्मिक अनुष्ठान, मेहमाननवाज़ी और उपभोग में बढ़ोतरी। यही कारण है कि चीनी की कीमतों में हाल ही में हुई बढ़ोतरी पर गहराई से नज़र डालना बेहद ज़रूरी है। कुछ शहरों में खुदरा चीनी की कीमतें ₹42-45 से बढ़कर ₹62-65 हो जाना और थोक व मिल से चीनी की कीमतें ऊँची बनी रहना, इसे महज़ एक मौसमी घटना कहना बहुत सरल व्याख्या होगी। यहाँ एक बड़ा नीतिगत मुद्दा है: क्या भारत खाद्य अनाज, कच्चे माल और ऊर्जा नीति के एक हिस्से के रूप में चीनी के बीच सही संतुलन बना पा रहा है? लागत में वृद्धि कई कारकों के कारण होती है। पहला कारण मौसमी मांग है—यानी गर्मियों में होने वाली अतिरिक्त मांग। त्योहारों के दौरान चीनी की खपत में उल्लेखनीय वृद्धि होती है, जिससे आपूर्ति पर भारी दबाव पड़ता है। वहीं दूसरी ओर, चीनी उत्पादन के मौसम के अंत में चीनी मिलों में स्टॉक कम होने लगता है, जिससे आपूर्ति और मांग का अंतर कम हो जाता है। वैश्विक चीनी कीमतों का भी चीनी की कीमतों और बाजार की भावना पर प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, इस पूरी कहानी का एक महत्वपूर्ण पहलू देश का इथेनॉल अनिवार्य नियम है। भारत में पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण एक क्रमिक प्रक्रिया रही है, जिसके तीन उद्देश्य हैं: आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करना, किसानों को एक और बाजार उपलब्ध कराना और चीनी मिलों को आय का एक और स्रोत प्रदान करना। इसलिए, चीनी की कीमतों में वृद्धि का एकमात्र कारण इथेनॉल को नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन घरेलू चीनी की उपलब्धता पर इसके प्रभाव को नजरअंदाज करना भी एक गलती होगी। अगर उपलब्ध चीनी का इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन के लिए किया जाता है, तो चीनी की कीमतों पर और दबाव पड़ सकता है, जिससे घरेलू चीनी भंडार प्रभावित होंगे। अब सरकार के नीतिगत फैसलों की असली परीक्षा है। खाद्य मुद्रास्फीति का सीधा असर परिवारों पर पड़ेगा, और ऊर्जा सुरक्षा एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इथेनॉल कार्यक्रम को बंद

करने की मांग नहीं की जा रही है, बल्कि इसे बाजार की स्थितियों के अनुरूप ढालने के लिए अधिक लचीला बनाने की मांग की जा रही है। घरेलू चीनी भंडार स्थिर होने पर, इथेनॉल उत्पादन के लिए अधिक गुंजाइश रखी जा सकती है। हालांकि, खाद्य आपूर्ति सीमित होने और कीमतें बढ़ने की आशंका को देखते हुए, घरेलू खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अल्पकालिक अनुकूलन उपायों के लिए गुंजाइश होनी चाहिए। सरकार द्वारा 10 लाख टन चीनी के आयात और स्टॉक सीमा जैसे अन्य उपायों की घोषणा से त्योहारी मौसम से पहले बाजार को कुछ समय के लिए राहत मिलेगी और बाजार में स्थिरता आएगी। लेकिन एक सवाल उठता है जिस पर विचार करना जरूरी है: क्या कीमतें बढ़ने के बाद ही हस्तक्षेप करना चाहिए? कृषि उत्पादों से संबंधित नीतियों की प्रभावशीलता का एक संकेतक कमी का पूर्वानुमान लगाने की क्षमता है। यदि सरकार के पास उत्पादन, घरेलू खपत और इथेनॉल की ओर संभावित बदलाव का विश्वसनीय अनुमान हो, तो संभावित स्टॉक की कमी का आसानी से पता लगाया जा सकता है। इसलिए चीनी आयात को केवल एक प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक नीतिगत दृष्टिकोण के रूप में देखा जाना चाहिए, जो पूर्वानुमानित और समयबद्ध हो। अनावश्यक आयात किसानों और मिलों के लिए हानिकारक हो सकता है और उत्पाद की कमी होने पर इससे बचना चाहिए; हालांकि, आवश्यकता पड़ने पर आयात न करने से उपभोक्ता को अधिक कीमतों का सामना करना पड़ सकता है। पारदर्शिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कमोडिटी बाजार केवल बाजार में उपलब्ध वस्तुओं तक ही सीमित नहीं है; यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि बाजार में उनकी छवि कैसी है। देश के भंडार की स्थिति जाने बिना, व्यापारी और उपभोक्ता अटकलों, अफवाहों और अपेक्षाओं से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इथेनॉल के उत्पादन, भंडार, खपत और डायवर्जन से संबंधित अधिक विश्वसनीय और नियमित जानकारी उपलब्ध हो। अधिक जानकारी से जमाखोरी और कृत्रिम कमी का पता लगाने में मदद मिलेगी और नीति निर्माताओं को किसी भी वास्तविक कमी के बारे में प्रारंभिक चेतावनी मिल सकेगी। कुछ मामलों में, स्टॉक सीमा आवश्यक हो सकती है, लेकिन केवल स्टॉक सीमा ही बाजार की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। चीनी की बढ़ती कीमतों का एक और पहलू सामाजिक प्रभाव है। खाद्य मुद्रास्फीति का असर अक्सर सभी पर समान रूप से नहीं पड़ता। प्रति किलोग्राम कुछ रुपये की अतिरिक्त कीमत भी निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के बजट पर भारी पड़ सकती है, जबकि उच्च आय वर्ग के परिवार शायद इसे वहन कर सकें। यह त्योहारों के मौसम की बात है, जब भोजन और मिठाइयों पर खर्च का दबाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। छोटे मिठाई की दुकानों, बेकरियों और स्थानीय खाद्य व्यवसायों के लिए एक और चुनौती है। बड़ी कंपनियों के विपरीत, उनके पास कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत को वहन करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं होती है। उन्हें एक कठिन दुविधा का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें या तो अपने मुनाफे में कटौती करनी होगी या चीनी, दूध, घी आदि और सूखे मेवों की कीमतें बढ़ानी होंगी। अंततः, इसका बोझ उपभोक्ता पर ही पड़ता है। नीतिगत चर्चाओं में, उपभोक्ताओं और किसानों के हितों को इस तरह से पेश किया जाता है मानो वे अनिवार्य रूप से परस्पर विरोधी हों। यह एकमात्र समाधान नहीं है। किसानों को गन्ने से उचित आय चाहिए, मिलों को वित्तीय स्थिरता चाहिए, सरकार इथेनॉल के रूप में गन्ने का उत्पादन बढ़ाने में रुचि रखती है और उपभोक्ताओं को चीनी का उचित मूल्य चाहिए। एक टिकाऊ नीति एकतरफा नहीं हो सकती और एक समूह को नुकसान पहुंचाकर दूसरे को लाभ नहीं पहुंचा सकती। त्योहारी मौसम में चीनी की कीमतों में वृद्धि होना कोई असामान्य बात नहीं है। मांग अधिक होने पर बाजार पर दबाव पड़ना स्वाभाविक है। हालांकि, अगर छुट्टियों के अंत तक कीमतें कम नहीं होती हैं, तो यह कहना मुश्किल होगा कि पूरी वृद्धि मौसमी मांग के कारण हुई है। सरकार को उत्पादन अनुमानों की सटीकता, स्टॉक स्तरों की सटीकता, इथेनॉल के उपयोग के लिए निर्धारित चीनी की मात्रा और आयात सही समय पर किए गए थे या नहीं, इन सभी की समीक्षा करनी होगी। चीनी की कीमतों में मौजूदा वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की आर्थिक नीति के विभिन्न प्रमुख नीतिगत लक्ष्यों के बीच विरोधाभास को उजागर करती है। ये लक्ष्य सराहनीय हैं, जिनमें किसानों की आय में वृद्धि, ऊर्जा सुरक्षा में सुधार और उपभोक्ता मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाना शामिल है। त्योहारी मौसम की मिठास को बनाए रखने के लिए बाज़ार में चीनी की मात्रा बढ़ाना ही काफी नहीं है।

देश दुनिया से

उच्च शिक्षा का काला सच

देश में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या में वृद्धि चिंता का कारण है। आज से 40-50 साल पहले व्यवसायी का बच्चा 10-12 क्लास पढ़ कर व्यापार में लग जाता था और कुछ लोगों को नौकरी भी देता था। आज उनके बच्चे भी नौकरी देने के बजाय उच्च शिक्षा प्राप्त कर नौकरी की लाइन में खड़े हो गए हैं। इधर पढने के बाद सबको आराम की नौकरी चाहिए। इसीलिए ज्यादा से ज्यादा लोग सरकारी नौकरी खोजते हैं। शिक्षित युवा छोटा काम करने से गुरेज करते हैं। जब यह मानसिकता हावी रहेगी तो बेरोजगारी बढ़ेगी ही बढ़ेगी। इसके लिए हमारा उच्च शिक्षा का सिस्टम भी जिम्मेवार है। आईये, इस सिस्टम की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पड़ताल करें। हमेशा से भारतीय समाज में शिक्षा को सदियों से बौद्धिक उत्थान का माध्यम माना गया था। आधुनिक दौर में इसका स्थान आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा की गारंटी ने ले लिया है। बचपन में जब कोई बच्चा पहली बार स्कूल जाता है, तो परिवार और समाज मिलकर उसके दिल और दिमाग में एक ही विचार ठोकते जाते हैं कि बस बारहवीं पास कर लो, फिर जीवन संवर जाएगा। बारहवीं के बाद यह वादा ग्रेजुएशन और फिर पोस्ट ग्रेजुएशन तक खिसक जाता है। माता-पिता अपनी जीवनभर की जमा पूंजी, जमीन-जायदाद या पेंशन का पैसा दांव पर लगाकर संतान को हायर एजुकेशन की अंधी दौड़ में झोंक देते हैं। वर्षों की मेहनत और लाखों के खर्च के बाद जब यह युवा डिग्री लेकर बाजार में खड़ा होता है, तो जीवन की हकीकत का काला सच उसके सारे भ्रम तोड़ देता है। तब अहसास होता है कि जिस व्यवस्था को छात्र अच्छा भविष्य समझ रहा था, वह असल में उसकी उम्मीदों का शमशान साबित हुई। आज उच्च शिक्षा रूपी

उद्योग हर साल लाखों की तादाद में इंजीनियर, डॉक्टर, एमबीए, वकील और आर्ट्स-साइंस ग्रेजुएट्स तैयार करने वाली एक विशाल डिग्री फैक्टरी बन चुका है। लेकिन इस संख्यात्मक विकास के पीछे गुणात्मक पतन का एक भयावह सच छिपा है। विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय रोजगार सर्वेक्षणों के आंकड़े बताते हैं कि देश के लगभग 50 प्रतिशत से अधिक ग्रेजुएट सीधे तौर पर उद्योग की जरूरतों के अनुरूप नहीं हैं। इसको कौन ठीक करेगा? विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम आज की तकनीकी क्रांति (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, ऑटोमेशन) से कोसों दूर दशकों पुराने ढर्रे पर चल रहा है। कॉलेज कक्षाओं में छात्रों को कुछ नया करना या समस्या समाधान नहीं सिखाया जाता, बल्कि केवल परीक्षा पास करने के लिए सिद्धांतों को रटने की कला सिखाई जाती है। नतीजा यह है कि हाथ में प्रथम श्रेणी की डिग्री होने के बावजूद युवा एक साधारण फॉर्म भरने या ईमेल ड्राफ्ट करने में असहज महसूस करते हैं। इसके लिए कौन जिम्मेवार है? हायर एजुकेशन का प्रवेश द्वार अब एक बहु-अरब डॉलर के कोचिंग उद्योग से होकर गुजरता है। कोटा, दिल्ली, पटना, हैदराबाद और इंदौर जैसे अनेक शहर अब ज्ञान के केंद्र नहीं, बल्कि फैक्टरियों में तब्दील हो चुके हैं। 13-14 साल के बच्चों को स्कूल छोडक़र 14-16 घंटे कोचिंग और टेस्ट सीरीज के अंतहीन भंवर में डाल दिया जाता है। नीट से पैदा हुई परेशानियों को कौन भूल सकता है। होर्डिंग्स पर चमकते टॉपर्स के चेहरों के पीछे उन लाखों गुमनाम छात्रों की चीखें दब जाती हैं जो अफलता के डर, एकाकीपन और परिवार की भारी अपेक्षाओं के बोझ तले दब जाते हैं। हर साल आने वाली छात्रों की आत्महत्याओं और डिप्रेशन की खबरें इस बात का प्रमाण हैं कि यह व्यवस्था युवाओं को भविष्य देने के बजाय उनका वर्तमान छीन रही है। इसे कौन ठीक करेगा? शिक्षा का यह बाजारीकरण मध्यमवर्गीय परिवारों की जेब और युवाओं की मानसिक शांति दोनों को खाली कर रहा है। पिछले दो दशकों में निजी शिक्षण संस्थानों की जो बाढ़ आई है, उसने शिक्षा को एक शुद्ध मुनाफा कमाने वाले व्यवसाय में बदल दिया है। संगमरमर से सजे परिसर, एसी क्लासरूम, गोल्फ कोर्स और स्विमिंग पूल दिखाकर लाखों रुपए की फीस वसूली जाती है।

लेकिन जब बात फैकल्टी और लैब की गुणवत्ता की आती है, तो ये संस्थान पूरी तरह खोखले साबित होते हैं। अनेक अध्यापकों को अनेक जगह पर मजदूर से कम अदायगी हो रही है। न्यूनतम उपस्थिति और बिना किसी बौद्धिक मशक्कत के ग्रेड्स बांटे जाते हैं ताकि अगले साल के दाखिलों के लिए आकर्षक ब्रोशर तैयार किए जा सकें। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण ने एक गहरी सामाजिक खाई पैदा कर दी है। जहां धनाढ्य वर्ग का औसत छात्र मोटी फीस देकर मैनेजमेंट कोटा से डिग्री हासिल कर लेता है, वहीं प्रतिभाशाली गरीब छात्र फीस के अभाव में प्रवेश से वंचित रह जाता है। मध्यमवर्गीय परिवार अपने जीवन की सारी सुरक्षा त्यागकर बच्चों की उच्च शिक्षा में निवेश करते हैं। इसे वे अपने भविष्य की सबसे सुरक्षित एफडी मानते हैं। लेकिन इसका रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट बेहद निराशाजनक है। जब 20 लाख रुपए का एजुकेशन लोन लेकर पढ़ाई पूरी करने वाले युवा को 15000 रुपए की नौकरी मिलती है, तो वह लोन की किस्त चुकाने में ही असमर्थ हो जाता है। चपरासी या नगर निगम की सफाई कर्मचारी भर्ती में जब पीएचडी और एम. टेक पास युवा कतार में खड़े दिखते हैं, तो यह केवल बेरोजगारी का संकट नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था के दिवालियापन का प्रमाण है। इसके लिए कौन जिम्मेवार है। किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की रीढ़ उसके शिक्षक और शोध की संस्कृति होती है। भारत की अधिकांश यूनिवर्सिटीज और कॉलेजों में यह रीढ़ ही टूटी हुई है। हजारों योग्य नेट-पीएचडी धारक शिक्षक 15 से 20 हजार रुपए के मानदेय पर ठेके पर पढ़ाने को मजबूर हैं।

आप का नज़रिया

पुनः गारंटियों की घंटी बजी

हिमाचल में एक घोषणा ने सियासत की सारी लीग बदल दी और एक साथ सारे कयास बदल गए। विधानसभा सत्र की औपचारिक कार्यवाही के बीच मुख्यमंत्री ने अपना बटुआ खोल दिया। घोषणा यह कि दो अक्तूबर से दो लाख परिवारों को पंद्रह सौ रुपए तथा 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी यानी सबसे चर्चित गारंटियों की घंटी बजा दी गई। गारंटियों की यह घंटी जितनी दूर तक सुनी जाएगी, उतनी ही मजबूती से कांग्रेस सरकार अपने मिशन रिपीट की गुल्लक पर विश्वास कर सकती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक तरह से राजनीति का ब्रह्मास्त्र पेश किया है। सियासत की सारी रेवड़ियां अब सरकार के पलड़े को भारी कर रही है, तो विपक्ष की राजनीति के पास आम जनता की संवेदना से खेलने का कोई त्वरित अवतार दिखाई नहीं देता। जाहिर है इस घोषणा से हिमाचल में आगामी चुनाव का प्रचार सुदृढ़ होगा और इसके तोड़ में भाजपा को अपनी हथेली खोलनी पड़ेगी। राजनीतिक बाजार में हिमाचल भी अब मुफ्त की रोटियां सेंकते मतदाता को देखेगा। यह मसला दो लाख परिवारों का नहीं, बल्कि उन नागरिकों का है जो वोट के बदले इस पारितोषिक का मूल्यांकन करेंगे। समय रहते वादों की अंतिम फेहरिस्त पर हस्ताक्षर करके, मुख्यमंत्री सुक्खू ने विपक्ष को कुछ नया करने की चुनौती दे डाली है। अब तक मुख्यमंत्री दुरुह या कबायली क्षेत्रों की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रदान करने की नीति पर चल रहे थे, लेकिन दो अक्तूबर से एक साथ दो लाख परिवार अगर समूची पूंजी और मुफ्त की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होने जा रहे हैं, तो यह कसौटी पूरे प्रदेश के प्रतिज्ञा पत्र बदल देगी। अब निगाह भाजपा के घोषणापत्र का इंतजार करेगी, लेकिन इससे पूर्व अब बहस और चर्चाओं के दायरे बड़े जरूर हो जाएंगे। वोट की गंगा में जिस तरह सियासत अपने कर्म धोने लगी है, उससे चुनाव के मायने बदल गए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से अगले चुनाव की रूपरेखा तक कांग्रेस की गारंटियों का निष्पादन एक बड़ा सत्य बन कर उभरा है, तो वातावरण में तेजी जरूर आएगी। भय यह है कि चुनाव की प्राथमिकताओं में राज्य के अपने खतरे, अपनी जरूरतें और अपनी कसौटियां कहीं पीछे रह जाती हैं। इस तरह के आर्थिक बोझ की आदत से मतदाता की अपेक्षाएं हमेशा सियासी डाल-डाल पर डील करने लगें, तो सुशासन, व्यवस्था और आर्थिक अनुशासन की बात कौन समझेगा। बहरहाल, सुक्खू सरकार की घोषणा के कई आयाम दिखाई दे रहे हैं। पहला यही कि इस आबंटन के लिए संसाधन कहां से आएंगे और कितना बजट ले जाएंगे। दूसरे यह कि इस घोषणा से सियासत का पहर बदल रहा है। कांग्रेस ने न केवल अपनी गारंटी की यात्रा पूरी की, बल्कि विपक्ष से मुद्दों की एक बड़ी बिसात छीन ली। अब यह निर्णय विपक्ष को करना है कि इस आबंटन की पारी से अलग कौनसा चमत्कार करे। फिलहाल जादुई हाथ तो कांग्रेस की सत्ता ने दिखा दिया और एक साथ दो लाख परिवारों यानी करीब दस लाख लोगों की परिक्रमा कर दी। पूरे देश में राजनीति के सामने कुछ मसले ऐसे भी आए हैं, जो पारंपरिक राजनीति में बदलाव चाहते हैं। जेन जी से जेन अल्फा तक की गुंजाइश में यह देश नित नए मुद्दे देख रहा है। यह पीढ़ी देश के संबोधन और सरकार के प्रलोभन को बदलना चाहती है। ये लोग सपनों के बजाय हकीकत के हर अंश में राष्ट्र को प्रतिबिंबित होते देखना चाहते हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में हिमाचल के स्कूल-कालेजों में पढ़ रहे छात्र, रोजगार कार्यालयों में दर्ज बेरोजगार तथा विभिन्न प्रवेश या प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं से गुजर रही पीढियों को मुफ्त के आबंटन से हटकर अपने अधिकार, न्याय की दरकार और कर्तव्य की पुकार का औचित्य साबित करना है।

विधानसभा सत्र की औपचारिक कार्यवाही के बीच मुख्यमंत्री ने अपना बटुआ खोल दिया। घोषणा यह कि दो अक्तूबर से दो लाख परिवारों को पंद्रह सौ रुपए तथा 300 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी यानी सबसे चर्चित गारंटियों की घंटी बजा दी गई। गारंटियों की यह घंटी जितनी दूर तक सुनी जाएगी, उतनी ही मजबूती से कांग्रेस सरकार अपने मिशन रिपीट की गुल्लक पर विश्वास कर सकती है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक तरह से राजनीति का ब्रह्मास्त्र पेश किया है। सियासत की सारी रेवड़ियां अब सरकार के पलड़े को भारी कर रही है, तो विपक्ष की राजनीति के पास आम जनता की संवेदना से खेलने का कोई त्वरित अवतार दिखाई नहीं देता। जाहिर है इस घोषणा से हिमाचल में आगामी चुनाव का प्रचार सुदृढ़ होगा और इसके तोड़ में भाजपा को अपनी हथेली खोलनी पड़ेगी। राजनीतिक बाजार में हिमाचल भी अब मुफ्त की रोटियां सेंकते मतदाता को देखेगा। यह मसला दो लाख परिवारों का नहीं, बल्कि उन नागरिकों का है जो वोट के बदले इस पारितोषिक का मूल्यांकन करेंगे। समय रहते वादों की अंतिम फेहरिस्त पर हस्ताक्षर करके, मुख्यमंत्री सुक्खू ने विपक्ष को कुछ नया करने की चुनौती दे डाली है। अब तक मुख्यमंत्री दुरुह या कबायली क्षेत्रों की महिलाओं को पंद्रह सौ रुपए प्रदान करने की नीति पर चल रहे थे, लेकिन दो अक्तूबर से एक साथ दो लाख परिवार अगर समूची पूंजी और मुफ्त की बिजली आपूर्ति से लाभान्वित होने जा रहे हैं, तो यह कसौटी पूरे प्रदेश के प्रतिज्ञा पत्र बदल देगी।

दृष्टि कोण

बीमार मानसिकता से मुक्ति की हो ईमानदार कोशिश

बरसों पुरानी बात है, शायद मध्य प्रदेश की है। परिगणित जाति की एक महिला सरपंच एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी से मिलने गयी थीं। काम हो जाने के बाद जब वह सरपंच कार्यालय से चली गयीं तो उस अधिकारी ने वह कुर्सी धुलवाकर 'पवित्र' करवायी थी जिस पर परिगणित जाति की महिला बैठी थी! यह समाचार तब कुछ अखबारों में छपा था। कुछ चर्चा भी हुई थी इसे लेकर। पर जल्द ही यह घटना लोग भूल गये। अपने ढंग की अकेली घटना नहीं थी यह। तथाकथित छोटी-जाति वालों के साथ ऐसा घटता रहता है। कभी घोड़े पर चढ़कर बारात ले जाने वाला कथित छोटा जाति वाला कथित उच्च जाति के गुस्से का शिकार बनता है तो कभी किसी स्कूल में छोटी जाति के बच्चों को पृथक बिठाने का समाचार मिलता है। पर हमारी सामाजिक स्मृति में ऐसी घटनाएं बहुत दिन तक नहीं रहतीं। भूल जाते हैं हम कि हमारे तथाकथित समतामूलक समाज में ऐसा भी कुछ घटा है या घट रहा है। नहीं भुलाया जाना चाहिए ऐसी बातों को। इन्हें याद रखना ज़रूरी है ताकि हमें यह अहसास होता रहे कि प्रगति के सारे दावों के बावजूद हमारी सोच कितनी पिछड़ी हुई है। हाल ही में उत्तराखंड के हल्द्वानी में ऐसी ही एक शर्मनाक घटना घटी थी, जिसे याद रखा जाना ज़रूरी है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ घटी इस घटना का विवरण उन्होंने स्वयं राज्यसभा में दिया था। यह अच्छी बात है कि राज्यसभा में

सत्तारूढ़ पक्ष के नेता ने इस प्रकरण की जांच करने का आश्वासन देकर खड़गे जी की पीड़ा पर कुछ मरहम लगाने का काम किया। पर यह पीड़ा सिर्फ खड़गे जी की नहीं है, सिर्फ उनकी ही पीड़ा होनी भी नहीं चाहिए। इस पीड़ा का अहसास उस हर भारतीय को होना चाहिए जो समता और न्याय के आदर्शों में विश्वास करता है, जो यह मानता है कि हमारा संविधान देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार देता है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने हल्द्वानी में घटी इस शर्मनाक घटना का विवरण देते हुए बताया था कि यहां मैदान में उनका भाषण था, उस जगह और उस मंच को गंगाजल से धोकर शुद्ध किया गया था। शुद्धीकरण का आयोजन करने वाले कथित उच्च वर्ण वालों का कहना था कि जहां यह सभा हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है। इसलिए हवन करके जगह को शुद्ध किया गया! इस अस्वीकार्य घटना की जांच कहां तक पहुंची है, पता नहीं। अक्सर ऐसी घटनाओं को दुर्भाग्यपूर्ण बताकर भुला दिया जाता है। पर होना यह चाहिए कि फिर जब कुछ ऐसा घटे तो हम यह अनुभव करें कि स्वतंत्रता के अस्सी साल बाद भी हम सामाजिक ऊंच-नीच के अभिशाप को ढो रहे हैं। जिस संगठन पर हल्द्वानी की इस घटना का आरोप है उसके सदस्यों का कहना है कि खड़गे जी की सभा जिस मैदान में हुई थी, वहां रामलीला का आयोजन होता है, उस जगह का राजनीतिक इस्तेमाल नहीं होना चाहिए था। किसी भी सोचने-समझने वाले विवेकशील व्यक्ति को यह तर्क समझ नहीं आ सकता। कहा यह जा रहा है कि 'शुद्धीकरण' का यह तमाशा चुनावी राजनीति का हिस्सा है। हो सकता है यह आयोजन करने वालों ने चुनावी राजनीति के संदर्भ में यह सब किया हो, पर बात चुनावी राजनीति की ही नहीं है; मामला राजनीतिक टकराव से कहीं ज्यादा उस बीमार मानसिकता का है जो हमें जातियों, वर्गों, वर्णों में बांटती है।

क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कुंबले

कोलंबो

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फैंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है।

मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है।

इस विशेष सूची में आस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वार्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं।

आस्ट्रेलिया के आफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन भी एंडरसन की तरह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में सक्रिय हैं। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड ने अपने 167 टेस्ट मैचों के करियर (2007-2023) में 5616.2 ओवर फेंके और 604 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वाल्श ने भी 1984 से 2001 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 5003.1 ओवर डालकर 519 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। ये सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबी अवधि तक सफल रहने के लिए न केवल कौशल बल्कि अविश्वसनीय शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

सिर्फ 16 रन की बढ़त और हाथ में 4 विकेट, श्रीलंका को पांचवें दिन कौन बचाएगा? चार दिन की पूरी कहानी भारत के नाम

कोलंबो, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय टीम सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में जारी दूसरे टेस्ट मैच में जीत के बेहद करीब पहुंच गई है। बुधवार को चौथे दिन का खेल बारिश के चलते जल्द समाप्त हो गया। दिन का खेल खत्म होने तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए हैं। यहां से श्रीलंका के पास भारत पर सिर्फ 16 रन की बढ़त है। ऐसे में भारतीय टीम मुकाबले के अंतिम दिन श्रीलंकाई टीम को जल्द समेटकर जीत के सुनहरे अवसर को भुनाने उतरेगी।

भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाकर घोषित की पारी

टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी 503 रन पर 9 विकेट के नुकसान पर घोषित की। टीम इंडिया ने 66 रन के स्कोर तक केएल राहुल (18) और यशस्वी जायसवाल (45) के विकेट गंवा दिए थे। यहां से देवदत्त पड्डिकल ने कप्तान शुभमन गिल के साथ तीसरे विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। शुभमन गिल 6 चौकों की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद पड्डिकल ने मोर्चा संभाला। उन्होंने रविंद्र जडेजा (43) के साथ 74 रन की साझेदारी करते हुए भारत को 281 रन के स्कोर तक पहुंचाया। पड्डिकल 193 गेंदों में 117 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस शानदार पारी में 12 चौके शामिल रहे।

पंत और जुरेल ने संभाली भारतीय पारी

पहले दिन बल्लेबाजी के दौरान चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट होने वाले ऋषभ पंत दूसरे दिन के पहले सत्र में फिर से बल्लेबाजी के लिए उतरे। उन्होंने ध्रुव जुरेल के साथ 112 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी कर भारतीय टीम को 400 रन के पार पहुंचा दिया। पंत भारत के खाते में 63 रन जोड़कर वापस लौटे। इसके बाद ध्रुव जुरेल ने 2 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 115 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को 503 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

मेजबान टीम की तरफ से असिथा फर्नांडो ने सर्वाधिक 4 विकेट हासिल किए, जबकि प्रभात जयसूर्या और केशरा नुवानथा को 2-2 विकेट मिले।

श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमटी

भारत के विशाल स्कोर के जवाब में श्रीलंका की पहली पारी 290 रन पर सिमट गई। श्रीलंकाई टीम ने 35 रन के स्कोर तक 3 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा ने कामिंदु मेंडिस के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी करते हुए टीम को शतक के पार पहुंचाया। कामिंदु मेंडिस 32 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पसिंदु सूरियाबंदारा ने 9 चौकों की मदद से 80 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली।

इसके बाद सोनल दिनुषा ने मोर्चा संभाला। उन्होंने केशरा नुवानथा के साथ 57 रन, जबकि लाहिरू कुमारा के साथ 58 रन की साझेदारी की। सोनल दिनुषा 103 रन बनाकर टीम को फॉलोऑन बचाने के बेहद करीब ले गए, लेकिन श्रीलंका फॉलोऑन से सिर्फ 14 रन दूर रह गया।

भारत के लिए प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट हासिल किए, जबकि सारांश जैन ने 2 शिकार किए। इनके अलावा मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को 1-1 विकेट मिला।

भारत ने श्रीलंका को फॉलोऑन दिया

पहली पारी के आधार पर भारत को 213 रन की बढ़त हासिल हुई। ऐसे में भारतीय टीम ने मेजबान श्रीलंका को फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया। श्रीलंकाई टीम मुकाबले के चौथे दिन दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरी और महज 5 रन के स्कोर पर लाहिरू उडारा (3) का विकेट गंवा दिया।

इसके बाद पसिंदु सूरियाबंदारा ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने कामिल मिशारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 रन, जबकि कामिंदु मेंडिस के साथ तीसरे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी कर श्रीलंका को पारी की हार के खतरे से बाहर निकाला।

सूरियाबंदारा और मेंडिस ने टाला पारी की हार का संकट

कामिंदु मेंडिस 55 रन बनाकर आउट हुए, जबकि पसिंदु सूरियाबंदारा ने 11 चौकों की मदद से 92 रन बनाए। इनके अलावा कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने टीम के खाते में 23 रन का योगदान दिया। श्रीलंका ने दूसरी पारी में 72.4 ओवर के खेल तक 6 विकेट खोकर 229 रन बना लिए थे।

बारिश ने फिर रोका खेल

इसी बीच बारिश ने मैच में दखल दे दिया। बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और कुछ देर बाद चौथे दिन के खेल की समाप्ति की घोषणा कर दी गई। अब श्रीलंका के पास भारत के खिलाफ सिर्फ 16 रन की बढ़त है और उसके चार विकेट शेष हैं।

भारत की तरफ से दूसरी पारी में मानव सुथार सर्वाधिक 2 विकेट हासिल कर चुके हैं। इनके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, सारांश जैन और रविंद्र जडेजा ने 1-1 विकेट चटकाया है।

पांचवें दिन भारत की नजरें जीत पर

पांचवें दिन भारतीय गेंदबाजों के सामने श्रीलंका के शेष चार विकेट जल्द हासिल करने की चुनौती होगी। श्रीलंका की बढ़त फिलहाल केवल 16 रन की है। ऐसे में भारत के पास मैच को अपने पक्ष में समाप्त करने का मजबूत अवसर मौजूद है। हालांकि अंतिम दिन की शुरुआत में श्रीलंकाई बल्लेबाज कुछ और रन जोड़कर भारतीय टीम की चुनौती बढ़ाने की कोशिश करेंगे।

बारिश बनी सबसे बड़ी चिंता

चार दिनों के खेल में भारतीय टीम ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में दमदार प्रदर्शन किया है, लेकिन पांचवें दिन बारिश एक बार फिर मैच का रुख प्रभावित कर सकती है। भारत की नजरें जहां शेष विकेट जल्द हासिल कर लक्ष्य का पीछा करने पर होंगी, वहीं श्रीलंका की कोशिश किसी भी तरह अपनी बढ़त को बड़ा करने की होगी।

अब मुकाबला पूरी तरह निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। भारत को जीत के लिए श्रीलंका के चार विकेट हासिल करने होंगे, जबकि मेजबान टीम के पास मैच बचाने के लिए पूरे दिन का संघर्ष करने का आखिरी मौका होगा।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टाप्स विकास योजना में शामिल

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट

ओलंपिक पोडियम योजना (टाप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टाप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टाप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टाप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

गावस्कर ने पिच को लेकर आईसीसी पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने आस्ट्रेलिया में खेल गये क्रिकेट टेस्ट के

केवल दो दिनों में ही समाप्त होने पर सवाल उठाये हैं। गावस्कर ने इसको लेकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर भी निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट में पिचों के मूल्यांकन को लेकर दोहरा मापदंड अपनाया जा रह है। साथ ही कहा कि यदि ऐसा ही कोई मुकाबला भारत में इतनी जल्दी समाप्त होता, तो आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सबसे पहले भारतीय पिचों की तीखी आलोचना करते पर आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर कोई कुछ नहीं कह रहा है। गावस्कर के अनुसार पिछले कुछ साल में आस्ट्रेलिया में चार टेस्ट मैच दो दिन के भीतर खत्म हुए हैं, जिसमें पिछले साल की एशेज सीरीज के पर्थ और मेलबर्न टेस्ट भी शामिल हैं। इसके बाद भी इन तेज और अतिरिक्त उछाल वाली पिचों की कभी आलोचना नहीं की गई। वहीं अगर ऐसा भारतीय पिचों पर होता तो कई प्रकार की बातें होने लगतीं। गावस्कर के अनुसार, भारतीय पिचों पर मैच जल्दी खत्म होने पर तुरंत पिच की गुणवत्ता पर बहस छिड़ जाती है, जबकि आस्ट्रेलिया में ऐसा होने पर खराब मौसम आदि का हवाला दे दिया जाता है। गावस्कर ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में हार के बाद आस्ट्रेलिया द्वारा तेज और उछाल वाली पिच तैयार करने पर कोई हैरानी नहीं जताई।

दलीप ट्राफी: आबिद मुश्ताक के नौ विकेट की बदौलत नार्थ जोन सेमीफाइनल में

बेंगलुरु। जम्मू-कश्मीर के बाएं हाथ के स्पिन आलराउंडर आबिद मुश्ताक के शानदार नौ विकेट की

बदौलत नार्थ जोन ने दलीप ट्राफी क्वार्टर फाइनल में रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाले वेस्ट जोन को 52 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। लाल मिट्टी की पिच पर स्पिन गेंदबाजों का दबदबा रहा और पूरे मुकाबले में 25 विकेट स्पिनरों ने हासिल किए। आबिद मुश्ताक ने दोनों पारियों में कुल 9 विकेट लेकर नार्थ जोन की जीत में अहम भूमिका निभाई। अंतिम दिन वेस्ट जोन को जीत के लिए 67 रन और नार्थ जोन को तीन विकेट की जरूरत थी। मुश्ताक और निशांत सिंधु ने महज 6.3 ओवर में वेस्ट जोन की पारी समेट दी। चौथे दिन मुश्ताक ने मुशीर खान और रुतुराज गायकवाड़ की शतकीय साझेदारी के बाद वेस्ट जोन को झटका दिया था। अंतिम दिन उन्होंने तनुश कोटियन को बोल्ड कर शुरुआत की। इसके बाद तुषार देशपांडे को स्लिप में अब्दुल समद के हाथों कैच कराया। इसके तीन गेंद बाद निशांत सिंधु ने उर्विल पटेल को 25 रन पर एलबीडब्ल्यू कर वेस्ट जोन की पारी का अंत कर दिया। नार्थ जोन की ओर से अर्शदीप सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए चार विकेट लिए। वहीं अंशुल कंबोज ने पहली पारी में 60 रन बनाने के बाद गेंद से भी प्रभाव छोड़ा और शम्स मुलानी तथा कोटियन के विकेट हासिल किए। नार्थ जोन ने पहली पारी में 251 और दूसरी पारी में 222 रन बनाए थे। इसके जवाब में वेस्ट जोन की टीम 187 और 234 रन ही बना सकी। नार्थ जोन सेमीफाइनल में तिलक वर्मा की कप्तानी वाले साउथ जोन से भिड़ेगा। दूसरा सेमीफाइनल ईस्ट जोन और गत चैंपियन सेंट्रल जोन के बीच होगा।

ब्रूनो फर्नांडिस और खदीजा शा बने पीएफए प्लेयर आफ द ईयर

लंदन। मैनचेस्टर यूनाइटेड के मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी की स्ट्राइकर खदीजा शा को पुरुष और महिला वर्ग में प्रोफेशनल फुटबालर्स एसोसिएशन (पीएफए) प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान फर्नांडिस ने पिछले सत्र में नौ गोल किए और रिकार्ड 21 असिस्ट दिए। उनके प्रदर्शन की बदौलत यूनाइटेड ने शीर्ष लीग में तीसरा स्थान हासिल किया। वह यह पुरस्कार जीतने वाले दूसरे पुर्तगाली खिलाड़ी हैं। उनसे पहले क्रिस्टियानो रोनाल्डो यह सम्मान हासिल कर चुके हैं। जमैका की स्ट्राइकर खदीजा शा ने दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है। इससे पहले उन्हें 2024 में भी पीएफए प्लेयर आफ द ईयर चुना गया था। पिछले सत्र में उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए 21 गोल किए। मैनचेस्टर सिटी के डिफेंडर निको ओराइली को यंग प्लेयर आफ द ईयर चुना गया। उन्होंने 2026 फीफा विश्व कप में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। वहीं, आर्सेनल की 22 वर्षीय स्ट्राइकर ओलिविया स्मिथ ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग में यंग प्लेयर आफ द ईयर का पुरस्कार जीता।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डा. आरोन हार्शिग से हर सप्ताह वीडियो काल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं।

मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, हर गुरुवार को वीडियो काल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डा. हार्शिग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।

मीराबाई और हार्शिग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया।

मीराबाई ने कहा, मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई।

मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी। एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं।

ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकार्ड बनाए।

हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।

मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है। पेरिस ओलंपिक में भी थाईलैंड की सुरोदचना खंबाओ ने उन्हें केवल एक किग्रा के अंतर से पीछे छोड़ते हुए कांस्य पदक जीता था।

मीराबाई का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 205 किग्रा है, जो उन्होंने 2021 एशियाई चैंपियनशिप और फरवरी, 2026 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हासिल किया था। उन्होंने कहा कि वह जापान में देखना चाहती हैं कि वह कितना आगे जा सकती हैं।

पीवी सिंधु और आयुष शेट्टी चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगे

नई दिल्ली

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलावा पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरू हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा।

हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड आफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में

राउंड आफ 16 तक पहुंची थीं पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।

पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

पुरुष युगल में विश्व चैंपियनशिप में चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वे राउंड आफ 16 में अंतत: चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग से हार गए थे। उनके साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भी भारतीय दल में शामिल हैं। महिला युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी, क्योंकि भारत की ट्रेसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है।

एशियाड : अब सपोर्ट स्टाफ पर खींचतान! पहलवानों के साथ क्यों नहीं विदेशी कोच साई ने 18 खेल संघों से मांगा जवाब

नई दिल्ली। एशियाई खेलों के लिए खिलाड़ियों की छटनी के बाद अब साई और राष्ट्रीय खेल महासंघों के बीच कोच और सपोर्ट स्टाफ के लिए खीचतान शुरू हो गई है। साई ने 19 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने वाले 492 सदस्यीय भारतीय दल के साथ सपोर्ट स्टाफ भेजने के लिए जवाब-तलबी शुरू कर दी है। साई ने एशियाड में खेलने जा रहे 35 में से 18 खेल संघों से सपोर्ट स्टाफ के चयन को लेकर जवाब मांग लिया है। खेल संघों के जवाब के आधार पर ही एशियाई खेलों के सपोर्ट स्टाफ की अंतिम सूची तय होगी। साई ने महिला हाकी टीम, शूटिंग, कबड्डी, स्क्वैश, रोइंग, कुश्ती टीम के साथ मसाजर (मैस्योर या मैस्यूजी) की तैनाती नहीं करने पर जवाब मांगा साथ ही कुश्ती टीम के साथ हाल ही में तीन विदेशी प्रशिक्षकों की तैनाती की गई है, लेकिन बतौर कोच उन्हें नहीं एशियाड नहीं भेजा जा रहा है। साई तीनों विदेशी प्रशिक्षकों को एशियाड में बतौर अतिरिक्त टीम आफिशियल भेजना चाहता है। यही नहीं आठ सदस्यीय सदस्यीय घुड़सवारी टीम के तीन सदस्यों के साथ घोड़ों की देखभाल करने वाले ग्रूम को नहीं भेजने पर भी जवाब मांगा गया है।

तेलंगाना ओपन में अंगद चीमा ने 61 के शानदार स्कोर से बनाई दो शॉट की बढ़त

विकाराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। चंडीगढ़ के अंगद चीमा ने बूटी गोल्फ काउंटी में खेले जा रहे एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना ओपन 2026 के दूसरे दौर में करियर का सर्वश्रेष्ठ और बोगी-मुक्त 11-अंडर 61 का स्कोर बनाकर दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली। अंगद का कुल स्कोर 13-अंडर 131 है।

बारिश के बाद लागू किए गए प्रेफर्ड लाइज़ नियम के बीच अंगद ने पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की और तीसरे से सातवें होल तक लगातार पांच बर्डी लगाकर शुरुआती सात होल में छह-अंडर का स्कोर बनाया। आठवें से 11वें होल तक लगातार चार पार के बाद पार-5 12वें होल पर चिप-इन ईगल लगाकर उन्होंने फिर लय हासिल की। इसके बाद तीन और बर्डी लगाकर उन्होंने पेशेवर करियर का अपना सबसे कम स्कोर दर्ज किया।

चार बार के डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई विजेता अंगद पिछले सप्ताह कोलार ओपन में उपविजेता रहे थे। उन्होंने कहा कि 11-अंडर निश्चित रूप से उनके करियर का सबसे कम स्कोर है और आज का प्रदर्शन असाधारण रहा। उन्होंने बताया कि 12वें होल का चिप-इन ईगल उनके राउंड का निर्णायक मोड़ रहा और अंतिम नौ होल में वह फिर लय में लौट आए।

दिल्ली के राशिद खान (66-67) पांच-अंडर 67 के स्कोर के साथ कुल 11-अंडर 133 पर दूसरे स्थान पर हैं। उनके राउंड में पार-4 तीसरे और पार-5 पांचवें होल पर दो ईगल शामिल रहे। इसके अलावा उन्होंने 12वें, 15वें और 16वें होल पर बर्डी लगाई।

राशिद ने कहा कि दो ईगल ने उनके राउंड को गति दी, हालांकि कुछ पट चूकने के कारण उनका स्कोर और बेहतर हो सकता था। उन्होंने कहा कि हर राउंड के साथ उनका खेल बेहतर हो रहा है और वह परिस्थितियों के अनुसार अपनी रणनीति को सरल रखते हुए खेल रहे हैं।

दो सप्ताह की बीमारी के बाद वापसी कर रहे हैदराबाद के 19 वर्षीय विशेष शर्मा (66-68) 10-अंडर 134 के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उनके दूसरे दौर में एक ईगल, चार बर्डी और दो बोगी शामिल रहीं।

पहले दौर के सह-नेता चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (65-70), गुरुग्राम के ध्रुव श्योराण (68-67) और श्रीलंका के मिथुन परेरा (70-65) नौ-अंडर 135 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। परेरा ने सात बर्डी की मदद से बोगी-मुक्त 65 का स्कोर बनाया।

पहले दौर के अन्य सह-नेता मनु गंडास (65-71) आठ-अंडर 136 के साथ संयुक्त सातवें स्थान पर हैं। डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई रैंकिंग में शीर्ष पर चल रहे सप्तक तलवार (72-68) चार-अंडर 140 के साथ संयुक्त 23वें स्थान पर हैं।

कट एक-अंडर 143 पर निर्धारित हुआ। कुल 131 खिलाड़ियों में से 50 खिलाड़ियों ने अंतिम दो दौर में जगह बनाई।

सेवा में स्वार्थ नहीं, भावना देखी जाती है : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बुधवार को बेगम बाजार स्थित बहू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा, मानवता और समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव को प्रमुखता से रखते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि सेवा में स्वार्थ नहीं, भावना देखी जाती है। उन्होंने कहा कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें किसी प्रकार की अपेक्षा न हो और जरूरतमंद व्यक्ति की सहायता को अपना कर्तव्य समझकर किया जाए। सेवा का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसके पीछे मानवता, करुणा और अपनत्व की भावना हो। उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन उपलब्ध कराने का कार्य नहीं, बल्कि समाज में प्रेम, संवेदना और सहयोग की भावना को मजबूत करने का माध्यम है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लोगों को मानवता के लिए आगे आने की प्रेरणा दे रहे हैं।कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, महेश गोयल, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

समूह का मानना है कि जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार किसी जरूरतमंद के जीवन में थोड़ी सी भी खुशियां जोड़ने का प्रयास करता है, तभी मानवता का वास्तविक अर्थ सार्थक होता है।

संतश्री तुलछारामजी महाराज से मिले डॉ. सुरेश चव्हाणके और डॉ. राजकुमार राजपुरोहित

आसोतरा, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्मधाम आसोतरा में ब्रह्म सावित्री पीठाधीश्वर परम पूजनीय संतश्री तुलछारामजी महाराज के 46वें चातुर्मास के अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और संत सान्निध्य का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस अवसर पर सुदर्शन न्यूज चैनल के चेयरमैन डॉ. सुरेश चव्हाणके अपने परिवार के साथ पहुंचे और संतश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

चातुर्मास कार्यक्रम 26 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान प्रतिदिन धर्म प्रवचन, आध्यात्मिक सत्संग, तप-साधना, यज्ञ एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. सुरेश चव्हाणके एवं उनके परिवार का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। वहीं, सुदर्शन चैनल के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. राजकुमार राजपुरोहित का भी राजपुरोहित समाज की ओर से साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर संत सान्निध्य एवं समाजजनों के आत्मीय मिलन से वातावरण श्रद्धा और आध्यात्मिक उत्साह से सराबोर रहा। कान सिंह गुरडाई ने अतिथियों को गुरुमहाराज की कुटिया, भोजनशाला, सभा भवन एवं विभिन्न तपोआश्रमों का अवलोकन कराया तथा चातुर्मास के दौरान संचालित धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों की जानकारी दी।कार्यक्रम में कानसिंह गुरडाई, प्रह्लादसिंह मादड़ी, पवनसिंह ढाबर, रघुनाथसिंह आराबा, श्रवणसिंह नोरवा (चरखी दादरी), श्रवणसिंह नारवा, एसपी सिंह मेघलासिया, विशनसिंह घंटियाला, गोविन्दसिंह, सांवलचंद धुमाड़िया, धुखाराम जूनी बाली, बृजेश दासपा, अशोकसिंह भेंसेर कोतवाली, मोतीसिंह थोब, ओमसिंह बासनी (बादशाह नमकीन) सहित कई वरिष्ठ गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सीयूएसबी में पोस्टर निर्माण एवं क्विज प्रतियोगिता

पटना, 26 अगस्त (एजेंसियां)। दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के उपलक्ष्य में गेम्स एंड स्पोर्ट्स कमेटी द्वारा टीम स्माइल के सहयोग से पोस्टर निर्माण एवं क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेल भावना, रचनात्मकता, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, टीम भावना तथा खेलों के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कुलपति प्रो. सिंह ने अपने संदेश में कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक और व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, फिट युवा ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को खेलों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करते हुए आयोजन से जुड़े सभी सदस्यों, प्रतिभागियों एवं स्वयंसेवकों को शुभकामनाएं दीं।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने बताया कि मालवीय भवन के योगा हॉल में झकेलेगा भारत, जीतेगा भारत: फिट यूथ, रेजिलिएंट नेशनफ विषय पर आयोजित पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के 23 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

वहीं, कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में करीब 50 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। क्विज में खेल, खिलाड़ियों और भारत की खेल उपलब्धियों से संबंधित प्रश्न पूछे गए।

प्रतियोगिताओं के निष्पक्ष मूल्यांकन में डॉ. गौरव सिंह, प्रो. चेतना जायसवाल, डॉ. पिंटू लाल मंडल, श्रीमती रेनू, डॉ. पंकज कुमार रॉय और डॉ. समीहा भारती सहित विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों ने सहयोग किया।

इस अवसर पर गेम्स एंड स्पोर्ट्स कमेटी के अध्यक्ष प्रो. प्रवीण कुमार और सीयूएसबी के प्रॉक्टर प्रो. प्रणव कुमार ने कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर प्रतिभागियों एवं आयोजन टीम का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में सहायक निदेशक, शारीरिक शिक्षा डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता का माध्यम नहीं, बल्कि अन-शासन, नेतृत्व, टीम भावना और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने का प्रभावी साधन हैं। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय खेल दिवस के संदेश झखेलेगा भारत, जी-तेगा भारतफको विद्यार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया गया।

श्री रामभद्र क्षेत्रम् के दर्शन हेतु श्री विद्या प्रसन्न तीर्थ स्वामीजी को आमंत्रण

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री रामभद्र क्षेत्रम् के संस्थापक ब्रह्मश्री संतोष कुमार पंडारी ने कर्नाटक स्थित प्रसिद्ध श्री कुक्के सुब्रह्मण्य स्वामी मठ के पीठाधीश्वर परम पूज्य श्री विद्या प्रसन्न तीर्थ स्वामीजी को श्री रामभद्र क्षेत्रम् पधारने हेतु सादर आमंत्रित किया।

श्री रामभद्र क्षेत्रम् मेडचल-मलकाजगिरी जिले के मलकाजगिरी नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत पोतैपल्ली गांव में स्थित है। इस अवसर पर श्री विद्या प्रसन्न तीर्थ स्वामीजी ने सम्मान एवं आशीर्वाद स्वरूप शेष वस्त्र प्रदान कर ब्रह्मश्री संतोष कुमार पंडारी को आशीर्वाद दिया।

स्वामीजी के श्री रामभद्र क्षेत्रम् आगमन से श्रद्धालुओं एवं स्थानीय समुदाय में आध्यात्मिक चेतना, भक्ति और धार्मिक आस्था को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद है। उनका पावन सान्निध्य क्षेत्रम् से जुड़े भक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मौत...

उनके मुताबिक, पांच मंजिला आव्रजन केंद्र भी पानी के तेज बहाव की चपेट में आया और वहां मौजूद लोगों के बारे में अभी आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पाई है। सदुरु के मुताबिक, उनकी यात्रा में कुल 21 समूह शामिल थे। इनमें 495 लोग सुरक्षित वापस लौट चुके हैं, जबकि 743 लोग अभी तिब्बत में, 148 लोग नेपाल में और 77 लोग आव्रजन केंद्र पर थे। इसके अलावा नेपाल के तिमुरे में तीन स्वयंसेवक भी मौजूद थे।

सदुरु ने कहा कि वह खुद क्षेत्र में मौजूद हैं और अधिकारियों के साथ मिलकर बचाव अभियान में हर संभव मदद की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने प्रभावित परिवारों से कहा कि इस मुश्किल घड़ी में उनका दर्द समझा जा सकता है और लोगों को बचाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

नेपाल में युद्धस्तर पर जारी बचाव अभियान

नेपाल सेना, नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस बल ने प्रभावित इलाकों में बचाव अभियान तेज कर दिया है। हेलीकॉप्टरों के जरिए दर्जनों लोगों को सुरक्षित निकाला गया है। नेपाली सेना ने कई हेलीकॉप्टर खोज और बचाव अभियान के लिए लगाए हैं, जबकि ड्रोन और खोजी कुत्तों की भी मदद ली जा रही है। गृह मंत्री ने लोगों से निचले इलाकों से निकलकर सुरक्षित और ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। काठमांडू से प्रभावित इलाकों की तरफ जाने वाले कई रास्तों पर आवाजाही भी रोक दी गई है। लोग अपने परिवार और रिश्तेदारों की जानकारी जुटाने में लगे हैं। कई इलाकों में सड़क, बिजली और संचार व्यवस्था प्रभावित होने के कारण सही जानकारी हासिल करना मुश्किल हो रहा है।इस आपदा के बाद भारत ने नेपाल को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह से फोन पर बात की और राहत-बचाव के लिए भारत की तरफ से पूरी मदद का आश्वासन दिया।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बताया कि भारत ने नेपाल के लिए 10 टन मानवीय सहायता और आपदा राहत सामग्री भेजी है। इसके अलावा भारतीय वायुसेना का सी-17 ग्लोबमास्टर राहत सामग्री और आधुनिक बचाव उपकरण लेकर काठमांडू के लिए रवाना होने वाला है।

नेपाल में फंसे या प्रभावित भारतीय नागरिकों के परिवारों के लिए भारतीय दूतावास ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं: (1) +977-985-131-6807 और (2) +977-970-910-7500.

इन नंबरों पर नेपाल में प्रभावित भारतीय नागरिकों के बारे में जानकारी ली जा सकती है।

बिहार और उत्तर प्रदेश में बाढ़ को लेकर अलर्ट

तिब्बत और नेपाल में तबाही मचाने के बाद अब भारत में भी बाढ़ के असर को लेकर चिंता बढ़ गई है। भोटेकोशी और दूसरी नदियों से बढ़ा पानी आगे गंडक नदी के रास्ते भारत की ओर पहुंच रहा है।

बिहार में पश्चिम चंपारण समेत छह जिलों को अलर्ट पर रखा गया है। गंडक नदी पश्चिम चंपारण के बाद पूर्वी चंपारण, सारण, मुजफ्फरपुर और वैशाली से होते हुए गंगा में मिलती है। उत्तर प्रदेश में कुशीनगर, महाराजगंज और देवरिया पर भी नजर रखी जा रही है।

गंडक नदी में पानी बढ़ने के खतरे को देखते हुए वाल्मीकिनगर गंडक बैराज के सभी 36 गेट खोल दिए गए हैं और नहरों में ज्यादा पानी छोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की तैयारी की जा रही है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य आपदा मोचन बल की टीमें संवेदनशील इलाकों में तैनात हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से फोन पर बात कर हर संभव मदद का भरोसा दिया है। दिल्ली से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की अतिरिक्त टीमें भी तैयार की गई हैं।

चीन ने बाढ़ की जानकारी देने में की देरी?

इस आपदा के बाद चीन की तरफ से नेपाल को बाढ़ की जानकारी देने में कथित देरी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कुछ शुरुआती रिपोर्टों में दावा किया गया है कि नेपाल को सैलाब की जानकारी करीब 45 मिनट की देरी से मिली।नेपाल में यह सवाल उठाया जा रहा है कि अगर पानी के अचानक बढ़ने की जानकारी समय पर मिल जाती तो लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए कुछ अतिरिक्त समय मिल सकता था। हालांकि इस दावे और चेतावनी की समय-सीमा को लेकर आधिकारिक स्तर पर पूरी तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है।नेपाल के कुछ विशेषज्ञों ने यह आशंका भी जताई है कि ऊपरी हिस्से में मौजूद प्राकृतिक अवरोध के कारण दूसरे अचानक आने वाले सैलाब का खतरा हो सकता है।

लापता लोगों को ढूंढने पर पूरा फोकस

तिब्बत से नेपाल तक आए इस सैलाब ने कुछ ही मिनटों में बड़े इलाके का नक्शा बदल दिया। पुल, सड़कें, घर, बाजार और बिजली परियोजनाएं बर्बाद हो गईं। सबसे बड़ी चिंता अब उन सैकड़ों लोगों की है, जिनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।इनमें 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं और कैलाश मानसरोवर यात्रा पर निकले लोगों की संख्या भी बड़ी है। ग्यिरोंग आव्रजन केंद्र पर मौजूद 77 यात्रियों को लेकर भी परिवारों की चिंता लगातार बढ़ रही है।

ड्रग इंस्पेक्टर...

शिकायतों के बाद महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग ने 27 जुलाई 2026 को मुंबई के पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद मामले की जांच शुरू हुई। मुंबई अपराध शाखा ने अपनी प्राथमिक जांच की रिपोर्ट महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग को सौंप दी।

जांच में इस बात का खुलासा हुआ कि एक उम्मीदवार को परीक्षा से पहले ही प्रश्नपत्र मिल गया था। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद आयोग ने परीक्षा को रद्द करने का निर्णय लिया। पिछले कुछ दिनों से बड़ी संख्या में उम्मीदवार भी प्रश्नपत्र लीक होने का आरोप लगा रहे थे।

परीक्षा रद्द होने के बाद अब सभी उम्मीदवारों को दोबारा परीक्षा देनी होगी। आयोग की ओर से दोबारा परीक्षा की तारीख और अन्य विवरण को लेकर आधिकारिक सूचना जारी की जाएगी।हालांकि उम्मीदवारों के लिए राहत की बात यह है कि उन्हें दोबारा आवेदन करने की जरूरत नहीं होगी। इसके साथ ही उनसे दोबारा आवेदन शुल्क भी नहीं लिया जाएगा।

प्रश्नपत्र परीक्षा से पहले एक उम्मीदवार तक पहुंचने की पुष्टि के बाद आयोग के सामने परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने की चुनौती थी। इसी को देखते हुए पूरी परीक्षा रद्द करने का फैसला लिया गया है। अब नए सिरे से परीक्षा आयोजित की जाएगी, ताकि सभी उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सके।

कृति....

ज्वैलरी ब्रांड के विज्ञापन में कृति सेनन रिवीलिंग आउटफिट में अपने ऑनस्क्रीन भाई को राखी बांधती हुई नजर आई थीं। उन्होंने ब्रालेट शैली के ब्लाउज के साथ श्रग और शरारा पहना था।रक्षाबंधन जैसे पवित्र त्योहार के लिए कृति का यह पहनावा कई लोगों को पसंद नहीं आया। सोशल मीडिया पर कुछ लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति और परंपराओं के विपरीत बताया। वहीं, विज्ञापन में पूजा की थाली नजर नहीं आने पर भी सवाल उठाए गए।कुछ लोगों को कृति का अपने पालतू कुत्ते को राखी बांधना भी भारतीय संस्कारों के खिलाफ लगा। इन सभी बातों को लेकर कृति सेनन और ज्वैलरी ब्रांड की सोशल मीडिया पर आलोचना की गई।रिवीलिंग आउटफिट में रक्षाबंधन मनाने को लेकर कंगना रनौत ने भी कृति सेनन पर निशाना साधा। कंगना ने अपनी पोस्ट में महिलाओं के पहनावे और उपलब्ध विकल्पों का जिक्र करते हुए सवाल उठाया कि जब आज की महिलाओं के पास कपड़ों के इतने विकल्प मौजूद हैं तो भाई को राखी बांधते समय बिकिनी या अंतर्वस्त्र जैसा पहनावा चुनने की क्या जरूरत है।कंगना ने इस विज्ञापन को जानबूझकर अजीब तरीके से तैयार किया गया विज्ञापन बताया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के पास कॉकटेल ड्रेस, लहंगा-चोली, जींस, साड़ी, बिकिनी और सलवार-कमीज सहित कई विकल्प मौजूद हैं।

विज्ञापन हटाने के बाद थमा विवाद?

रक्षाबंधन के विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया पर लगातार बढ़ रहे विवाद के बीच जीवा ने अपना विज्ञापन वापस ले लिया। ब्रांड ने अपने बयान में साफ किया कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना उसका उद्देश्य नहीं था।

नीले जूते...

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि यह कार्रवाई सहायक प्रजनन तकनीक (विनियमन) अधिनियम, 2021 के प्रावधानों के तहत की गई है।उन्होंने बताया कि एक अंग्रेजी समाचार पत्र के जयपुर संस्करण में आईवीएफ, प्रजनन क्षमता और टेस्ट-ट्यूब शिशु सेवाओं से संबंधित एक विज्ञापन प्रकाशित हुआ था। इस विज्ञापन में बच्चों के नीले जूते दिखाए गए थे।विभाग ने विज्ञापन की सामग्री को गंभीरता से लेते हुए इसे लिंग चयन से जुड़ी संभावित गतिविधियों के संकेत के तौर पर देखा।विभाग के अनुसार, नीला रंग लड़के से जुड़ा माना जाता है और विज्ञापन से प्रथम दृष्टया ऐसा संकेत मिला कि लिंग चयन से संबंधित सेवाओं को बढ़ावा दिया जा रहा था।गायत्री राठौड़ ने कहा कि संबंधित कानून के तहत लिंग चयन और लिंग चयन आधारित सहायक प्रजनन तकनीक प्रक्रियाओं पर रोक है।निलंबित पंजीकरण में शामिल सुविधाएं इस प्रकार हैं

भीलवाड़ा में एक एआरटी स्तर-1 क्लीनिक।
कोटा में एक एआरटी स्तर-2 क्लीनिक।
उदयपुर में एक एआरटी स्तर-2 क्लीनिक।
अजमेर में एक एआरटी स्तर-2 क्लीनिक।
जोधपुर में एक एआरटी स्तर-2 क्लीनिक।
जयपुर में दो एआरटी स्तर-2 क्लीनिक।
जयपुर में एक सरोगेसी क्लीनिक।
जयपुर में एक एआरटी बैंक।

हरियाणवी...

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि हमलावर कितने थे और किस दिशा से आए थे।

अंकित बालियान हरियाणवी संगीत और सामाजिक माध्यमों की दुनिया में सक्रिय थे। वह अपने गाने मेरी कोर्ट में गोली मारेंगे मेरी जान को लेकर काफी चर्चित हुए थे। वर्ष 2023 में शामली में उनके रोड शो की भी चर्चा हुई थी। उन्हें शामली के बंतीखेड़ा निवासी हरियाणवी कलाकार के तौर पर बताया जाता है। सामाजिक माध्यमों पर भी उनकी अच्छी पहचान थी और वह अपने संगीत तथा वीडियो के जरिए लोगों के बीच सक्रिय रहते थे।

जिला पंचायत चुनाव की तैयारी कर रहे थे अंकित

बताया जा रहा है कि अंकित बालियान इन दिनों जिला पंचायत चुनाव की तैयारी भी कर रहे थे। ऐसे में उनकी अचानक हत्या की खबर सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।हालांकि, उनकी हत्या के पीछे वास्तविक वजह क्या थी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस फिलहाल हत्या से जुड़े सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है। जांच आगे बढ़ने के बाद ही वारदात की वजह और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति साफ हो सकेगी।

इलाके में दहशत का माहौल

अंकित बालियान की हत्या की खबर फैलते ही शामली और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। सोशल मीडिया और स्थानीय स्तर पर उनके परिचितों तथा प्रशंसकों की ओर से शोक जताया जा रहा है। पुलिस ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और जांच में सहयोग करने की अपील की है।

भूकंप, ग्लेशियर...

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र के माध्यम से चीन के स्रोतों से प्राप्त हुई है। हालांकि, अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

पानी तथा मौसम विज्ञान विभाग ने भी विशेष अपडेट में कहा है कि नेपाल या तिब्बत में किसी हिमनदीय झील के फटने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विभाग के अनुसार मंगलवार या बुधवार को रसुवा क्षेत्र में भारी बारिश नहीं हुई थी। बुधवार को भी महत्वपूर्ण बारिश की संभावना नहीं थी। बारिश वाले बादल गुरुवार से बनने की संभावना जताई गई थी।

ऐसे में स्थानीय स्तर पर हुई भारी बारिश को इस अचानक आई बाढ़ का मुख्य कारण मानने की संभावना कम हो जाती है। वैज्ञानिक अब ऊपरी क्षेत्र में पानी जमा होने, बर्फ के बड़े हिस्से के खिसकने और संभावित हिमनदीय झील के टूटने की घटनाओं को जोड़कर जांच कर रहे हैं।

हिमालय क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के कारण तेजी से बदल रहा है। ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, नई हिमनदीय झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलें अस्थिर हो रही हैं। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में निर्माण, सड़कें, बस्तियां और अन्य विकास गतिविधियां पहाड़ी ढलानों को और संवेदनशील बना सकती हैं।

गाइरोंग क्षेत्र तिब्बत में नेपाल सीमा के पास स्थित है। यहां पिछले कुछ वर्षों में विकास कार्य हुए हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिलता है कि नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र वाले क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर मिट्टी कटाव, पहाड़ों की कटाई और नदी के प्राकृतिक मार्ग में बदलाव से आपदा का जोखिम बढ़ सकता है।

दोनों देशों में उच्च हिमालयी क्षेत्रों में विकास परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों की लगातार निगरानी और सावधानी बरतने की जरूरत है।

विशेषज्ञ वर्तमान घटना को बर्फ के बड़े हिस्से के खिसकने, संभावित हिमनदीय झील के फटने और क्षेत्र की प्राकृतिक अस्थिरता से जोड़कर देख रहे हैं। भूकंप जैसी घटनाएं भी पहाड़ों में बर्फ और चट्टानों के बड़े हिस्से को अस्थिर कर सकती हैं तथा हिमस्खलन या बर्फ के मलबे के अचानक नीचे आने की स्थिति पैदा कर सकती हैं।

हालांकि वैज्ञानिक अभी किसी एक कारण को अंतिम रूप से जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं। विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन, उपग्रह तस्वीरों और घटनास्थल की जांच के बाद ही बाढ़ के वास्तविक कारण की स्पष्ट पुष्टि हो सकेगी।

बाढ़ के बाद नेपाल सेना, पुलिस और आपदा प्रबंधन टीमें राहत एवं बचाव अभियान में सक्रिय हैं। कई लोग लापता हैं और नुकसान का पूरा आकलन अभी जारी है। प्रशासन के सामने इस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता लापता लोगों की तलाश और प्रभावित लोगों तक राहत पहुंचाना है।

इसके साथ ही वैज्ञानिक भी घटना के कारणों का आकलन कर रहे हैं। क्षेत्र में कई हिमनदीय झीलें मौजूद हैं और पिछले वर्षों में भी ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। ऐसे में शुरुआती चेतावनी प्रणाली, ग्लेशियरों की निगरानी और सीमा पार सूचना के आदान-प्रदान को मजबूत करना बेहद जरूरी माना जा रहा है।

विशेषज्ञों ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ऊपरी क्षेत्रों में यदि कहीं पानी या मलबा रुका हुआ है तो उसके अचानक नीचे आने से दोबारा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए नदी किनारे और निचले इलाकों में निगरानी बनाए रखना जरूरी है।

कुल मिलाकर वैज्ञानिक समुदाय का प्रारंभिक आकलन यह है कि भोटेकोशी में आई भयावह बाढ़ स्थानीय स्तर पर हुई भारी बारिश के कारण नहीं, बल्कि ऊपरी क्षेत्र में बर्फ के बड़े हिस्से के खिसकने से ल्हेंदे नदी के प्रवाह में रुकावट और उसके बाद पानी के अचानक फूटने से जुड़ी हो सकती है।

हालांकि हिमनदीय झील के फटने की संभावना भी अभी जांच के अधीन है। आगे होने वाले विस्तृत अध्ययन से घटना का वास्तविक कारण अधिक स्पष्ट होगा।

हिमालय की सुरक्षा दोनों देशों के लिए बड़ी चुनौती

हिमालय जैसा संवेदनशील पारिस्थितिकी तंत्र लगातार बदल रहा है। जलवायु परिवर्तन, ग्लेशियरों का पिघलना, हिमनदीय झीलों का बढ़ना और तेजी से हो रहा विकास भविष्य में ऐसी घटनाओं का खतरा बढ़ा सकते हैं। ऐसे में विकास के साथ पर्यावरणीय आकलन, ग्लेशियर निगरानी, शुरुआती चेतावनी व्यवस्था और आपदा तैयारी को मजबूत करना नेपाल और चीन के साथ-साथ भारत के लिए भी साझा चुनौती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

रामकथा में गूंजा सीता हरण और गिद्धराज जटायु के मोक्ष का प्रसंग

महंत भंवरगिरीजी महाराज ने सुनाए आरण्यकांड के भावपूर्ण प्रसंग, भक्ति और सत्संग का बताया महत्व

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बोइनपल्ली स्थित बापूजी नगर में गेहलोत, सोलंकी एवं पंवार परिवार के निवास स्थान पर आयोजित शिवपुराण कथा एवं श्रीरामकथा के दौरान पूज्य गुरुदेव महंत भंवरगिरीजी महाराज ने रामकथा के आरण्यकांड के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम एवं लक्ष्मण के संवाद, माया के भेद, भक्ति एवं ज्ञान तथा जीव और परमात्मा के संबंध को सरल एवं सहज ढंग से समझाया।

महंत भंवरगिरीजी महाराज ने आगे शूर्पणखा प्रसंग, माता जानकी के अग्नि में प्रवेश तथा मायावी मारीच के छल का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि मारीच ने स्वर्ण मृग का रूप धारण कर भगवान श्रीराम को भ्रमित किया, लेकिन प्रभु श्रीराम ने अंततः उसे परमधाम प्रदान किया।

इसके बाद उन्होंने रावण द्वारा माता सीता के हरण तथा गिद्धराज जटायु द्वारा माता सीता की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष का मार्मिक प्रसंग सुनाया।

महंत भंवरगिरीजी महाराज ने कहा कि जटायु ने अपने प्राणों की परवाह किए बिना माता सीता की रक्षा के लिए रावण से युद्ध किया। रावण से युद्ध करते हुए जटायु गंभीर रूप से घायल होकर धरती पर गिर पड़े। बाद में भगवान श्रीराम ने घायल जटायु को अपनी गोद में लिया और स्वयं उनका अंतिम संस्कार किया। उन्होंने कहा कि भगवान की भक्ति एवं सत्संग से जुड़कर मनुष्य का जीवन धन्य हो जाता है। सत्संग के माध्यम से जीव भगवान से जुड़ा रहता है और भवसागर से पार होने का मार्ग प्राप्त करता है।

कथा के दौरान श्रद्धालुओं ने रामकथा के विभिन्न प्रसंगों का भक्तिभाव एवं श्रद्धा के साथ श्रवण किया। कार्यक्रम में रुघाराम गेहलोत, मांगीलाल सोलंकी, नेमाराम पंवार, ताराराम पंवार, जगदीश गेहलोत, बालाजीनगर वडेर के नवनिर्वाचित अध्यक्ष घेवरचंद चोयल, सचिव राजूराम चोयल, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी, शिक्षा समिति अध्यक्ष जयराम पंवार, कोषाध्यक्ष डूंगाराम सोलंकी, सह खेल मंत्री कालूराम गेहलोत, मारवाड़ के मांडा के सरपंच कालूराम गेहलोत एवं तुलसाराम राठौड़ सहित समाजबंधु एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भरत चाण्डा को भाजपा तेलंगाना प्रदेश ट्रेड सेल संयुक्त सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा सामाजिक सेवा, युवा सशक्तिकरण एवं जनसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने वाले भरत चाण्डा को तेलंगाना प्रदेश ट्रेड सेल संयुक्त सह-संयोजक की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सामाजिक सेवा और युवा सशक्तिकरण में सक्रिय भूमिका

भरत चाण्डा लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय हैं और युवाओं के सशक्तिकरण, सामाजिक सेवा, धार्मिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों सहित विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं। अपने समर्पण, मेहनत और समाज के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है।

सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ भरत चाण्डा एक सफल कंपनी का संचालन भी कर रहे हैं, जो सिक्योरिटी सिस्टम एवं सुरक्षा सेवाओं के क्षेत्र में कार्यरत है। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता के साथ सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी निरंतर सक्रियता उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को दर्शाती है।

नई जिम्मेदारी से संगठन और जनसेवा को मिलेगी मजबूती

इस अवसर पर डॉ. उप्पला शारदा, ट्रेड सेल कन्वीनर, ने कहा कि भरत चाण्डा की सामाजिक सेवा, युवा सशक्तिकरण और संगठन के प्रति समर्पण सराहनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई जिम्मेदारी के साथ भरत चाण्डा तेलंगाना में पार्टी की गतिविधियों को और मजबूती देंगे तथा जनसेवा के कार्यों को नई गति प्रदान करेंगे।

सेवा में दिखावा नहीं, समर्पण और संवेदना जरूरी : निशा गुप्ता

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सेवा-भावी सदस्यों ने जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे सेवा कार्यों का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहयोग और अपनत्व पहुंचाना है।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निशा गुप्ता ने कहा कि सेवा की वास्तविक भावना और उसके उद्देश्य को देखना हो तो राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के किसी भी सेवा केंद्र पर आना चाहिए। उन्होंने कहा कि यहां सेवा किसी दिखावे या स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि पूरी निष्ठा और संवेदना के साथ की जाती है। जरूरतमंद व्यक्ति तक भोजन पहुंचाना केवल अन्नदान नहीं, बल्कि उसके प्रति सम्मान, अपनत्व और मानवता की भावना को व्यक्त करना है।

निशा गुप्ता ने कहा कि आज के समय में जब लोग अपने व्यक्तिगत जीवन में व्यस्त होते जा रहे हैं, ऐसे में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर सेवा करना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी को दर्शाता है।

राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से सेवा कार्यों में सहभागी बनकर यह साबित कर रहे हैं कि यदि मन में सेवा का संकल्प हो तो छोटे से प्रयास से भी किसी के जीवन में खुशी लाई जा सकती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सेवा केंद्रों पर होने वाले नियमित कार्यक्रम समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। यहां आने वाला प्रत्येक व्यक्ति सेवा की भावना को करीब से महसूस कर सकता है। उन्होंने समाज के युवाओं और नई पीढ़ी से भी ऐसे सेवा कार्यों से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि सेवा के संस्कार ही समाज को मजबूत और संवेदनशील बनाते हैं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, संजय गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, नंद किशोर अग्रवाल, जगन गुप्ता, नंद गोपाल एवं दत्ता हुलसुर सहित अनेक सेवा-भावी सदस्य उपस्थित रहे।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नामपल्ली सहित विभिन्न सेवा केंद्रों पर निरंतर अन्नदान एवं मानवसेवा के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इन आयोजनों के माध्यम से ग्रुप समाज के जरूरतमंद लोगों तक सहयोग पहुंचाने के साथ-साथ लोगों को सेवा, सहयोग और सामाजिक एकजुटता के लिए प्रेरित कर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक लोगों को मानवसेवा से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। राधे-राधे ग्रुप का संदेश स्पष्ट हैजहां जरूरत है, वहीं सेवा का अवसर है और जहां सेवा है, वहीं सच्ची मानवता है।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के छठे दिन यजुर्वेद पारायण महायज्ञ, वेदोपदेश एवं भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आर्य समाज सुल्तान बाजार, महर्षि दयानंद मार्ग में आयोजित श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के छठे दिन यजुर्वेद पारायण महायज्ञ एवं वेद प्रचार कार्यक्रम श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सप्ताह के समापन अवसर पर यजुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति तथा आर्य समाज सुल्तान बाजार के 134वें वार्षिकोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा।

प्रातःकाल एवं सायंकाल महायज्ञ माता निर्मला योग भारती के ब्रह्मत्व में संपन्न हुआ। यज्ञ में ऋत्विज के रूप में डॉ. मैत्रेयी शास्त्री, श्रीमती स्फूर्ति शास्त्री तथा आचार्य मिथिलेश शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिवत यज्ञ संपन्न कराया। यज्ञ के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को वैदिक जीवन-पद्धति, यज्ञ एवं संस्कारों के महत्व का संदेश दिया गया।

प्रातःकालीन एवं सायंकालीन सत्र में पंडित भूपेंद्र आर्य ने अपनी मधुर एवं भावपूर्ण वाणी में सुंदर भजनों की प्रस्तुति दी। उनके साथ कृष्ण पाल आर्य ने तबले पर संगत की। दोनों कलाकारों ने मिलकर ऐसे मनोहारी एवं प्रेरणादायक भजन प्रस्तुत किए कि उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर होकर मंत्रमुग्ध हो गए।

दिल्ली-एनसीआर से पधारे प्रसिद्ध वेदविद्वान आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार ने वेदोपदेश देते हुए विशेष रूप से माता-पिता के प्रति हमारे कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि माता-पिता की सेवा, सम्मान और उनके प्रति कृतज्ञता का भाव भारतीय संस्कृति तथा वैदिक जीवन का महत्वपूर्ण आधार है।

उन्होंने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सुखी एवं सार्थक जीवन जीने के अनेक उपयोगी सूत्र भी बताए। आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार के उपदेश से उपस्थित श्रद्धालुओं ने लाभ प्राप्त किया तथा वैदिक विचारों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह कार्यक्रम में प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी दिल्ली-एनसीआर से पधारे अतिथि आचार्य डॉ. जयेंद्र कुमार, पंडित भूपेंद्र आर्य एवं कृष्ण पाल आर्य का संगीता आर्य ने हृदय से स्वागत एवं सम्मान किया।

श्रावणी वेद प्रचार सप्ताह के इस आयोजन में प्रतिदिन यज्ञ, भजन एवं वेदोपदेश के माध्यम से समाज में वेद प्रचार, संस्कार, सदाचार और परिवार के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश दिया जा रहा है।

कार्यक्रम के आगामी समापन समारोह में यजुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के साथ आर्य समाज सुल्तान बाजार के 134वें वार्षिकोत्सव को भव्य रूप से मनाया जाएगा।

आर्य समाज की ओर से सभी आर्य प्रेमी बंधुओं से विनम्र निवेदन किया गया है कि वे अपने परिवार एवं मित्रों सहित इन कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाएं।

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर गौशाला में प्रथम कावड़ यात्रा का भव्य स्वागत

सैकड़ों कावड़ियों ने 22 किलोमीटर की यात्रा कर किया रुद्राभिषेक, हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान हुआ वातावरण

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मेडचल के एल्मपेट स्थित श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर गौशाला एवं नंदीशाला में पहुंची प्रथम कावड़ यात्रा का भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया। हनुमान भक्तों की हनुमान चालीसा टीम तथा काल भैरव अष्टकम टीम/काल भैरव साधक भक्तों द्वारा आयोजित यह प्रथम कावड़ यात्रा रविवार, 23 अगस्त, पुत्रदा एकादशी के अवसर पर पुराना पुल स्थित पीला मंडप भैरव मंदिर से सैकड़ों कावड़ियों के साथ प्रारंभ हुई।

कावड़ यात्रा ताड़बंद हनुमान मंदिर होते हुए लगभग 22 किलोमीटर की दूरी तय कर रात्रि विश्राम के लिए कोमपल्ली स्थित एएमआर गार्डन पहुंची। रात्रि भर हनुमान चालीसा पाठ, भजन-कीर्तन और भक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से श्रद्धालु भक्तिरस में डूबे रहे।

सावन के अंतिम सोमवार को प्रातः 5 बजे ङ्गजय बजरंग बलीफ के जयघोष के साथ यात्रा पुनः प्रारंभ हुई। भारी बारिश के बावजूद माताएं, बहनें और पुरुष कावड़िये पूरे उत्साह के साथ यात्रा में शामिल रहे। दोपहर में स्वामी अयप्पा मंदिर, मेडचल में प्रसाद ग्रहण करने के बाद कावड़ यात्रा श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर की ओर रवाना हुई।

शाम लगभग 6 बजे कावड़ यात्रा श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर गौशाला एवं नंदीशाला पहुंची, जहां मंदिर ट्रस्ट कमेटी की ओर से कावड़ियों का पारंपरिक एवं भव्य स्वागत किया गया। भक्तों के चरण धोए गए, तिलक-चंदन लगाया गया तथा पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया गया।

सभी कावड़ियों ने आचार्य बाल व्यास विनयानंद जी के मार्गदर्शन में वैदिक मंत्रों एवं रुद्रसूक्त के पाठ के बीच अपने साथ लाए गंगाजल, कावेरी, तुंगभद्रा, गोदावरी और कृष्णा सहित विभिन्न पवित्र नदियों के जल से श्री रुद्रनाथ केदारनाथ, श्री अचलेश्वर महादेव तथा 108 नर्मदेश्वर शिवलिंगों का दिव्य रुद्राभिषेक किया।

इस दौरान पूरा वातावरण ङ्गहर-हर महादेवफ और ङ्गबोल बमफ के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। जलाभिषेक के उपरांत बाबा केदार को महाप्रसाद अर्पित किया गया तथा श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

शिवभक्तों के प्रति जताया आभार

श्री दक्षिणेश्वर केदारनाथ मंदिर गौशाला एवं नंदीशाला परिवार ने इस अवसर पर पधारे सभी शिवभक्तों, कावड़ियों तथा सेवा में लगे समस्त केदार भक्तों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

कृष्णैया ने 34,000 शिक्षक पदों को भरने के लिए डीएससी अधिसूचना जारी करने की मांग की

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय बीसी कल्याण संघ के अध्यक्ष आर कृष्णैया ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से राज्य के सरकारी, सहायता प्राप्त, आवासीय, मॉडल और कस्तूरबा विद्यालयों में खाली पड़े करीब 34,000 शिक्षक पदों को भरने के लिए तुरंत डीएससी (जिला चयन समिति) अधिसूचना जारी करने का आग्रह किया है।

डिजिटल गिरफ्तारी का डर दिखाकर 85.20 लाख ठगने की कोशिश, साइबर पुलिस ने बचाई बुजुर्ग की रकम

ओमप्रकाश सिरवी
हैदराबाद, 26 अगस्त।

कानून का डर दिखाकर पुलिस की वर्दी पहनकर वीडियो कॉल की और गिरफ्तारी की धमकी देकर एक बुजुर्ग को मानसिक रूप से दबाव में लिया। साइबर ठगों ने हैदराबाद के नेरेडमेट निवासी 85 वर्षीय सेवानिवृत्त बैंक कर्मचारी को इसी तरीके से अपने जाल में फंसाकर 85.20 लाख रुपये स्थानांतरित करा लिए। हालांकि, ठगी का पता चलते ही तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो ने तेजी से कार्रवाई की और पूरी रकम को सुरक्षित करा लिया।

पुलिस के अनुसार, बुजुर्ग को एक व्यक्ति ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी के रूप में फोन किया। फोन करने वाले ने दावा किया कि बुजुर्ग के आधार विवरण का दुरुपयोग कर किसी व्यक्ति ने कर्नाटक और केरल में बैंक खाते खोले हैं और उनमें करीब 2.5 करोड़ रुपये के कथित फर्जी लेनदेन किए गए हैं।

इसके बाद ठग ने बुजुर्ग को गिरफ्तारी और गंभीर कानूनी कार्रवाई का डर दिखाया। वह तेलुगु भाषा में बात कर रहा था और वीडियो कॉल के दौरान पुलिस की वर्दी में दिखाई दे रहा था। इस पूरे घटनाक्रम को वास्तविक सरकारी कार्रवाई जैसा दिखाकर बुजुर्ग को विश्वास में लिया गया।

ठग ने बुजुर्ग को यह भी निर्देश दिया कि वह इस मामले की जानकारी किसी अन्य व्यक्ति को न दे। उसे धमकाया गया कि यदि उसने किसी को बताया तो पुलिस उसके घर पहुंच सकती है। इस धमकी के कारण बुजुर्ग कथित तौर पर पूरी तरह दबाव में आ गया।

साइबर ठग ने बुजुर्ग को बताया कि उसके बैंक खाते और धनराशि की जांच के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इसी बहाने उसे एक बताए गए बैंक खाते में 85.20 लाख रुपये स्थानांतरित करने के लिए कहा गया।

बुजुर्ग ने ठग की बात पर विश्वास करते हुए 85.20 लाख रुपये उस खाते में भेज दिए। ठग ने भरोसा दिलाया था कि सत्यापन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूरी रकम वापस कर दी जाएगी।

लेकिन 85.20 लाख रुपये मिलने के बाद भी ठगों की मांग खत्म नहीं हुई। उन्होंने बुजुर्ग से 42 लाख रुपये और मांगे। यहीं उसे पूरे मामले पर संदेह हुआ और उसे एहसास हुआ कि वह किसी सरकारी जांच का नहीं, बल्कि साइबर ठगी का शिकार हो गया है।

अतिरिक्त 42 लाख रुपये की मांग के बाद बुजुर्ग ने अपने बैंक से संपर्क किया। बैंक से जानकारी मिलने पर उसे संभावित साइबर ठगी का पता चला। इसके बाद उसने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो के अधिकारियों ने बिना समय गंवाए धनराशि के लेनदेन का पता लगाना शुरू किया। जांच में सामने आया कि 85.20 लाख रुपये आईडीएफसी बैंक की कोयंबटूर शाखा में संचालित एक संदिग्ध खाते में भेजे गए थे।

साइबर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संदिग्ध खाते में मौजूद रकम को रोक दिया और बुजुर्ग की पूरी 85.20 लाख रुपये की राशि सुरक्षित करा ली। इसके बाद मामले को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए मलकाजगिरी साइबर अपराध पुलिस थाने को सौंप दिया गया।

डिजिटल गिरफ्तारी के नाम पर होने वाली साइबर ठगी में अपराधी स्वयं को पुलिस, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, केंद्रीय जांच ब्यूरो, भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य सरकारी विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को डराते हैं। वीडियो कॉल पर पुलिस की वर्दी, फर्जी पहचान और सरकारी भाषा का इस्तेमाल कर पीड़ित को यह विश्वास दिलाया जाता है कि वह किसी गंभीर अपराध में फंस चुका है।

इसके बाद गिरफ्तारी से बचने, धनराशि के सत्यापन या बैंक खाते की जांच के नाम पर पैसे स्थानांतरित करने के लिए मजबूर किया जाता है।इस मामले में भी ठगों ने यही तरीका अपनाया।

पहले कथित आपराधिक मामले का डर दिखाया गया, फिर बुजुर्ग को किसी से संपर्क न करने की चेतावनी दी गई और अंत में सत्यापन के नाम पर लाखों रुपये स्थानांतरित करा लिए गए।

इस मामले में भी समय पर शिकायत ने बुजुर्ग की जीवनभर की बचत को पूरी तरह डूबने से बचा लिया। साइबर अपराधियों ने डर और सरकारी कार्रवाई का झूठा भय दिखाकर 85.20 लाख रुपये अपने खाते तक पहुंचा दिए थे, लेकिन साइबर सुरक्षा ब्यूरो की त्वरित कार्रवाई ने उनकी पूरी योजना पर पानी फेर दिया।

श्रीशैलम में परिवार के पांच सदस्यों ने की आत्महत्या

श्रीशैलम, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
नंदयाल जिले के श्रीशैलम में एक तीर्थयात्री आवास सुविधा में मंगलवार को एक परिवार के पांच सदस्य मृत पाए गए। पुलिस को संदेह है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आर्थिक कठिनाइयों ने उन्हें आत्महत्या के लिए प्रेरित किया हो सकता है। मृतकों की पहचान पल्लपु सुधाकर (36), उनकी बहनें गोगुला आदि लक्ष्मी (50), मल्लेश्वरी (45) और श्रीदेवी (33) तथा उनके 15 वर्षीय भतीजे मणिकांत के रूप में की गई। वे श्री सत्य साईं जिले के बट्टालपल्ली गांव के निवासी थे।पुलिस के अनुसार, सुधाकर 28 जुलाई को अपनी तीन बहनों और भतीजे के साथ श्रीशैलम पहुंचे थे। पांचों सुधाकर के ऑटोरिक्शा में यात्रा कर वड्डे सत्रम नामक तीर्थयात्री आवास सुविधा में एक कमरा लिया था। परिवार लगभग एक माह से वहां रह रहा था। लॉज कर्मचारियों को तब संदेह हुआ जब कमरे के रहने वाले दो दिनों से बाहर नहीं दिखे और कमरे से बदबू आने लगी। मंगलवार को कर्मचारियों ने कमरा बंद पाया और बदबू का पता चलने के बाद खिड़की खोलकर देखा तो पांचों व्यक्ति फांसी से लटके मिले। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई।

पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में पता चला कि परिवार के सभी पांच सदस्यों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं थीं। सुधाकर की दो बड़ी बहनें अपने पतियों से अलग हो चुकी थीं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति भी खराब थी। सुधाकर ऑटोरिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। एक अधिकारी ने कहा कि पुलिस को संदेह है कि लंबे समय से चली आ रही स्वास्थ्य और आर्थिक कठिनाइयों के बीच निराश होकर परिवार ने यह चरम कदम उठाया हो सकता है।

नेपाल बाढ़: तेलंगाना ने हेल्पलाइन स्थापित की

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेपाल में व्यापक बाढ़ और सैकड़ों लोगों के लापता होने की खबरों के बीच तेलंगाना ने नई दिल्ली स्थित तेलंगाना भवन में एक विशेष हेल्पलाइन और समन्वय केंद्र स्थापित किया है। इसका उद्देश्य उन परिवारों की सहायता करना है जो राज्य से नेपाल में फंसे हो सकने वाले रिश्तेदारों से संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजानरसिम्हा ने स्थिति पर चिंता व्यक्त की और बाढ़ से प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना की।

हेल्पलाइन से संपर्क रेजिडेंट कमिश्नर की निजी सचिव एवं संपर्क प्रमुख वंदना के माध्यम से 9871999044 पर, जनसंपर्क अधिकारी सी.एच. चक्रवर्ती से 9949351270 पर तथा संपर्क अधिकारी जी. रक्षित नायक से 9618597969 पर किया जा सकता है।

अमेरिका के फ्लोरिडा में सड़क हादसा तेलंगाना के तीन छात्रों की मौत

फ्लोरिडा, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अमेरिका के फ्लोरिडा में हुए एक सड़क हादसे में तेलंगाना के तीन छात्रों की मौत हो गई. हादसा मंगलवार 25 अगस्त को ब्रेवार्ड काउंटी में हुआ. यह दुर्घटना पाल्म बे के पास इंटरस्टेट 95 हाईवे पर हुई.

मिली जानकारी के मुताबिक, छात्रों की कार हाईवे से अचानक बाहर चली गई. इसके बाद कार एक पेड़ से टकरा गई. टक्कर के बाद गाड़ी में आग लग गई. बताया जा रहा है कि तीनों छात्र पार्ट टाइम काम के लिए जा रहे थे. इसी दौरान यह हादसा हुआ.

मृतकों में तेलंगाना के निजामाबाद जिले के नाविपेट निवासी एन राहुल की पहचान हुई है. राहुल करीब तीन महीने पहले ही हाइयर एजुकेशन के लिए अमेरिका गए थे. राहुल ने एमएस की पढ़ाई पूरी कर ली थी. इसके बाद उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा में पीएचडी में दाखिला लिया था. पढ़ाई के साथ वह नौकरी की तलाश भी कर रहे थे.

जानकारी के मुताबिक कार चला रहे छात्र और आगे बैठे यात्री की मौके पर ही मौत हो गई. राहुल गंभीर रूप से घायल हुए थे. उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया. लेकिन डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके. इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई.

बाकी दो मृतकों की पहचान अभी आधिकारिक रूप से नहीं बताई गई है. स्थानीय अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं.

फर्जी डिग्री का घिनौना खेल : 11 कथित फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉक्टर को धरती पर भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। मरीज जब बीमारी, दर्द और जिंदगी की चिंता से जूझता हुआ अस्पताल या क्लिनिक पहुंचता है, तो वह डॉक्टर पर पूरा भरोसा करता है। लेकिन इसी भरोसे को कथित तौर पर कमाई का जरिया बनाने का हैदराबाद में मरीजों की जिंदगी के साथ कथित खिलवाड़ का एक गंभीर मामला सामने आया है। हैदराबाद कमिश्नर की टास्क फोर्स पुलिस ने जुबली हिल्स और सिकंदराबाद इलाकों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 11 कथित फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया है। इनके साथ एक मेडिकल शॉप संचालक को भी पकड़ा गया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर फर्जी डिग्री और नकली डॉक्टर प्रमाणपत्रों के सहारे लंबे समय से मरीजों का इलाज कर रहे थे।

यह मामला महज फर्जी दस्तावेजों तक सीमित नहीं है। आरोप है कि जिन लोगों के पास मरीजों का इलाज करने की वैध चिकित्सकीय योग्यता नहीं थी, वे डॉक्टर बनकर लोगों की जांच कर रहे थे, दवाइयां लिख रहे थे और उपचार कर रहे थे। सबसे गंभीर बात यह है कि ऐसे कथित फर्जी डॉक्टर रोजाना बड़ी संख्या में मरीजों के संपर्क में आ रहे थे। टास्क फोर्स के डीसीपी वैभव गायकवाड़ रघुनाथ के अनुसार0 पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से डॉक्टरों के नाम वाले प्रिस्क्रिप्शन

पैड, रबर स्टांप, फर्जी मेडिकल प्रमाणपत्र, बड़ी मात्रा में दवाइयां, ग्लूकोज की बोतलें और विभिन्न चिकित्सा उपकरण बरामद किए गए हैं। बरामद सामग्री ने पुलिस के सामने कथित फर्जी चिकित्सा व्यवस्था की तस्वीर और गंभीर बना दी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रतिदिन करीब 60 से 100 मरीजों का इलाज करते थे। प्रत्येक मरीज से से 200 तक फीस वसूली जाती थी। यानी कम पैसे में इलाज का भरोसा देकर कथित तौर पर बड़ी संख्या में मरीजों तक पहुंच बनाई गई और उनकी बीमारी का उपचार ऐसे लोगों द्वारा किया गया, जिनकी चिकित्सकीय योग्यता ही सवालों के घेरे में है। सिकंदराबाद जोन में छह कथित फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया, जबकि जुबली हिल्स जोन में पांच लोगों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने इस पूरे मामले में हैदराबाद के अलग-अलग थानों में कुल 11 मामले दर्ज किए हैं।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, मुडारनगर में दो मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा जुबली हिल्स, फिल्मनगर, बोराबंडा, रामगोपालपेट और धोमलगुडा पुलिस थानों में एक-एक मामला दर्ज हुआ है। चिक्कड़पल्ली और ओल्ड सिटी क्षेत्र में भी दो-दो मामले दर्ज किए गए हैं।

फर्जी डॉक्टरों का यह कथित नेटवर्क इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है, क्योंकि चिकित्सा क्षेत्र में एक छोटी सी गलती भी मरीज की जान पर भारी पड़ सकती है। गलत बीमारी की पहचान, गलत दवा, गलत मात्रा या गलत उपचार से मरीज की स्थिति बिगड़ सकती है। इसके बावजूद बिना उचित योग्यता के कथित तौर पर चिकित्सा करना मरीजों की सुरक्षा के साथ सीधा खिलवाड़ माना जा रहा है। फिलहाल 11 कथित फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ मामले दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

माथुर वैश्य सोसायटी का वार्षिक उत्सव धूमधाम से संपन्न

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। माथुर वैश्य सोसायटी का वार्षिक उत्सव महासमश्रण वाटिका में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन सपना गुप्ता, पुष्पा गुप्ता, मुन्नी गुप्ता, मालती गुप्ता, मुन्नालाल गुप्ता, सोसायटी अध्यक्ष अमित गुप्ता, उपाध्यक्ष विमल गुप्ता एवं सचिव प्रदीप गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया।

वार्षिक उत्सव के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बच्चों ने फैंसी ड्रेस, नृत्य एवं नाटक की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित सभी लोगों का मनोरंजन किया। बच्चों की प्रतिभा एवं उत्साह की उपस्थित समाजबंधुओं ने सराहना की। विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाकर बच्चों में उत्साह देखने को मिला।

कार्यक्रम के दौरान तंबोला का आयोजन किया गया, जिसमें समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके पश्चात सामूहिक भोजन की व्यवस्था की गई। समाज के सदस्यों एवं उनके परिवारों ने एक साथ भोजन कर कार्यक्रम का आनंद लिया।

वार्षिक उत्सव के दौरान पूरे आयोजन में पारिवारिक एवं सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा। उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए आयोजन का भरपूर आनंद लिया।

श्रावणी उपाकर्म एवं पंचकुंडीय यज्ञ को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

हैदराबाद, 26 अगस्त (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण सभा, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा बुधवार को मामडपल्ली स्थित श्री वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर की हरिप्रिया पुष्करणी में आयोजित होने वाले श्रावणी उपाकर्म एवं पंचकुंडीय यज्ञ के संबंध में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता सभा के वयोवृद्ध एवं प्रमुख समाजसेवी श्री रामनिवास पाराशर ने की।

राजस्थानी ब्राह्मण सभा पिछले 60 वर्षों से श्रावणी उपाकर्म का आयोजन नगर की विभिन्न पुष्करणियों पर करती आ रही है। पिछले 8 वर्षों से हरिप्रिया पुष्करणी में यह धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया जा रहा है।बैठक में उपस्थित सभी विप्र बंधुओं ने श्रावणी उपाकर्म के आयोजन के लिए पुष्करणी में की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने सभी विप्र बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी बनने की अपील की।समीक्षा बैठक में आयोजन की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में रामदेव नागला, रामनिवास पाराशर, संदीप जायलवाल, दामोदर जोशी, मुरलीधर तिवाड़ी सहित अन्य विप्र बंधु उपस्थित रहे।र

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.